RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ● Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ● CCTV Controlled Environment ● Activity Based Learning ● Well Equipped Library ● GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 162 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 02 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

कोरोना से देश में 32 लोगों की मौत

संक्रमितों की संख्या 3961 पर पहुंची, दिल्ली में 22 साल की युवती की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में लगातार कोरोना मामलों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। पिछले 24 घंटे में 203 नए मामले सामने आए हैं। केरल में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले रिपोर्ट किए गए हैं। वहीं, दिल्ली में 22 साल की एक युवती की मौत हो गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, भारत में एक्टिव कोरोना वायरस मामलों की तादाद सोमवार सुबह 3,961 हो गई, जिसमें दिल्ली में 47 नए मामलों की एक दिन में सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कोरोना से चार लोगों मौतें हुई हैं। इसमें तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल और दिल्ली में एक-एक केस शामिल है।

कोरोना वायरस से जुड़े नए मामलों में आया यह उछाल बहुत तेज़ रहा है। 22 मई को सिर्फ़ 257 एक्टिव मामलों से बढ़कर 26 मई तक 1,010 हो गए और फिर शनिवार तक तीन गुना से ज़्यादा बढ़कर 3,395 हो गए। बढ़ते मामलों के बावजूद, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पेनिक न होने की गुजारिश की है। देश में कोरोना से अब तक 32 लोगों की मौत हो गई है। कोरोना से रिकवर हुए 2188 लोगों को अस्पतालों से डिस्चार्ज किया गया है।

दिल्ली में कोविड-19 से एक नई मौत के साथ कुल मौतों की संख्या चार हो गई, जबकि कुल संक्रमितों की संख्या 483 हो गई। मौजूदा वक्त में सबसे अधिक प्रभावित राज्य केरल है, जहां पर 1,435 एक्टिव मामले हैं।

राम मंदिर का शिखर कलश हुआ स्वर्णिम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में होगी प्राण-प्रतिष्ठा

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी श्री अयोध्या धाम में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोध्या नगरी सज गई है। अयोध्या में 8 देवालयों की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। मंदिर का मुख्य शिखर कलश स्वर्णिम हो गया है। परिसर के 5 मंदिरों के शिखर कलश भी स्वर्णिम हो गए हैं। सभी शिखर कलश पर सोने की परत जड़ी गई है। देवालयों की प्राण प्रतिष्ठा 3 जून से शुरू होगी। कार्यक्रम 3 जून से शुरू होकर 5 जून तक चलेंगे। इसमें मुख्य अतिथि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे।

राम दरबार की स्थापना से पूर्व आज रामनगरी में सरयू तट से कलश यात्रा निकलेगी। जिसमें 400 महिलाएं सरयू जल लेकर कलश यात्रा पर निकलेंगी। जानकारी के मुताबिक 5 जून को अभिजीत मुहूर्त में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होगी। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर प्रभु श्रीराम के दरबार सहित कुल 7 मंदिरों में भव्य प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा। अभिजित मुहूर्त और स्थिर लग्न में होने वाले इस आयोजन को अयोध्या और काशी के 101 आचार्य मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से संपन्न कराएंगे। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि होंगे।

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि 3, 4 व 5 जून को किसी को आमंत्रित नहीं किया गया है। कोई भी प्राण प्रतिष्ठा शब्द सुनकर अयोध्या न आये।

आपको बता दें कि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ को इस ऐतिहासिक अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, जिसे उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। खास बात यह है कि 5 जून को ही सीएम योगी का जन्मदिन भी है। अयोध्या की सबसे बड़ी गद्दी के महंत कृपालु दास जी महाराज ने कहा है कि ये स्वर्णिम संयोग है कि जिस धरती पर प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ, वहां उनके दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं मौजूद रहेंगे। यह केवल धार्मिक नहीं, सांस्कृतिक सौभाग्य है। उन्होंने आगे बताया कि यह आयोजन चक्रवर्ती महाराज दशरथ जी के महल से आरंभ होगा, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

नॉर्थ-ईस्ट में बारिश से तबाही, 32 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉर्थ-ईस्ट में इस समय बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। कई राज्यों में लोग बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मणिपुर में मानसून ने भारी तबाही मचाई है। बाढ़ के कारण 19 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। सिक्मिम में आर्मी कैंप भी भू-स्खलन की चपेट में आया है। हादसे के बाद 3 जवान लापता हैं।

अधिकारी ने बताया कि पिछले चार दिनों में लगातार मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से 3,365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ऐसे में लोगों की मुश्किलों को कम करने के लिए 31 राहत शिविर कैंप खोले गए हैं, जिनमें से अधिकतर इंफाल पूर्वी जिले में हैं।

सेनापति जिले के साथ-साथ इंफाल पूर्वी जिले के हीनगांग, वांगखेई और खुरई विधानसभा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं।

वहीं पूर्वोत्तर राज्यों असम, सिक्क्म, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में लगातार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से कई की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं।

सिक्मिम में आर्मी कैंप भूस्खलन की चपेट में आया

वहीं सिक्किम में फंसे पर्यटकों को अब पुलिस, निवासियों, वन कर्मियों और लाचुंग होटल एसोसिएशन की कोशिश से सक्रिय रूप से निकाला जा रहा है। बताया जा रहा है 32 लोगों की मौत हो गई। लाचुंग होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष ग्यात्सो लाचुंगपा स्थानीय प्रशासन के सहयोग से जमीनी स्तर पर निकासी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।

सिक्किम में भारी बारिश और भूस्लखन से तबाही जैसे हालात हैं। पीआरओ डिफेंस गुवाहाटी के मुताबिक, बीती शाम करीब सात बजे उत्तरी सिक्किम के चट्टन में भूस्खलन हुआ। इससे आसपास के आवासों को नुकसान पहुंचा। तीन शव बरामद किए गए हैं, जिनमें सेना के जवान भी शामिल हैं। कई अन्य के लापता होने की आशंका है। मृतकों की पहचान और तलाशी अभियान जारी है।

मायावती ने चंद्रशेखर को इशारे में कहा 'बरसाती मेढक'

बसपा ही एकमात्र आंबेडकरवादी पार्टी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद द्वारा आकाश आनंद को लेकर कसे तंज पर पलटवार करते हुए बड़ा हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बसपा को कमजोर करने वाले संगठन और दल बरसाती मेंढक की तरह हैं, जो विधायक, सांसद या मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि देश में बसपा ही बहुजन हित की एकमात्र आंबेडकरवादी पार्टी है। पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने व पश्चाताप करने पर उन्हें वापस लेने की परंपरा है। इसी क्रम में आकाश आनंद के उतार-चढ़ाव व उन्हें मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर बनाने से **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

रोबोटिक सर्जरी के दौरान आंत कटी, युवक की मौत

परिजनों ने अस्पताल में काटा हंगामा

गाजियाबाद (ब्यूरो) गाजियाबाद के निजी अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी से हर्निया ऑपरेशन के दौरान मुजफ्फरनगर के भस्सी गांव निवासी उज्ज्वल चौधरी (35) की मौत हो गई। इसके बाद परिवार और परिचित लोगों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। सुबह करीब सात बजे से शुरू हुए हंगामे को पुलिस संभालने की कोशिश कर रही है, लेकिन परिजन ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्हें सामने बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। परिजनों ने बताया कि उज्ज्वल हर्निया की दिक्कत के चलते ऑपरेशन के लिए 26 मई को निजी अस्पताल में भर्ती हुए थे। इसके बाद डॉक्टर ने उनका पहला ऑपरेशन किया जो किसी वजह से असफल रहा। वहीं एक जून की रात डॉक्टरों ने दोबारा रोबोटिक सर्जरी से ऑपरेशन किया और इस दौरान उज्ज्वल की आंत कट गई जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि उज्ज्वल की वर्ष 2014 में शादी हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं। वर्तमान में वह राज नगर एक्सटेंशन के अजनारा इंटरगिटी में परिवार के साथ रह रहे थे। उज्ज्वल ई-कॉमर्स कंपनी में टीम लीडर के पद पर कार्यरत थे। उनकी मौत के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

उत्तराखंड पब्लिक स्कूल पर टीचर्स का धरना-प्रदर्शन

11 टीचर्स को नौकरी से निकाला, प्रशासन व डीआईओएस बने मूक

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले 2-3 वर्षों से सेक्टर-56 स्थित उत्तराखंड पब्लिक स्कूल का विवादों से नाता नहीं टूट रहा है। बकाया न जमा करने पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा स्कूल सील करने के बाद अब 11 टीचर्स को स्कूल से निकालने का मामला तूल पकड़ रहा है। आज निकाली गई सभी टीचर्स ने स्कूल के बाहर हाथों में तख्ती लेकर प्रदर्शन किया तथा धरने पर बैठ गई। उनकी मांग है कि स्कूल में उन्हें वापस लिया जाए तथा **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

JEE में श्रेयस ने किया यूपी में टॉप

लखनऊ (एजेंसी)। जेईई एडवांस के नतीजे सोमवार को जारी कर दिए गए। लखनऊ के श्रेयस लोहिया को यूपी में पहला स्थान मिला है। उन्होंने देश में 68वीं रैंक हासिल की। श्रेयस के पिता गजेंद्र लोहिया लखनऊ दूरदर्शन में कार्यरत हैं। पिता गजेंद्र ने कहा कि बेटे की सफलता से वह बहुत खुश हैं। मां विनीता लोहिया ने कहा कि बेटे का पहले भी परिणाम बेहतर था। इस बार उसे पहले से भी बड़ी सफलता मिली है। हम लोगों ने बेटे को समय से पढ़ने के लिए प्रेरित किया। लेकिन, कभी उस पर दबाव नहीं बनाया। श्रेयस को जेईई मेन में ऑल इंडिया 6वीं रैंक मिली थी।

भाजपा के दीवार लेखन अभियान में अशुद्धि!

नोएडा (चेतना मंच)। बुद्धिजीवियों व अनुशासित पार्टी का दम्भ भरने वाली भारतीय जनता पार्टी भी हिंदी की चिंदी उड़ाने में पीछे नहीं रही है। हाल ही में भाजपा के 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' को लेकर चल रहे दीवार लेखन अभियान में दीवारों पर लिखे गए नारे में बर्तनी की अशुद्धि देखने को मिली।

इन दिनों 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के मददेनजर लोगों को जागरूक करने के लिए भाजपा द्वारा दीवार लेखन अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को भी नोएडा स्टेडियम में यह अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेडियम की दीवार पर लिखे गये नारे- 'देश के संशाधन बचाना है एक राष्ट्र-एक चुनाव कराना है।' की बर्तनी में अशुद्धि स्पष्ट रूप से दिख रही है। लेकिन किसी भी भाजपा नेता की व कार्यकर्ता की नजर इस अशुद्धि पर नहीं पड़ी।

पूछने पर पता चला कि यह नारे हाईकमान ने भेजे हैं जिन्हें पेशेवर पेंटर द्वारा दीवारों पर लिखवाया जा रहा है। अभियान के तहत भाजपा के नेता, जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी दीवारों पर लिखे नारे पर ब्रश चलाकर कार्यक्रम करके फोटो सेशन करवा रहे हैं। दीवार पर लिखे इस नारे में 'संसाधन' के स्थान पर 'संशाधन' लिखा गया है जो अशुद्ध है। लेकिन ताज्जुब तो इस बात का है कि किसी की भी नजर इस अशुद्धि पर नहीं पड़ी। इसको लेकर विपक्षी दलों के लोग चुटकी ले रहे हैं।

बकरों पर भी दिख रही है महंगाई की मार!

बकरीद के मद्देनजर जगह-जगह सज गई है बकरों की मंडियां

नोएडा (चेतना मंच)। मुस्लिमों के त्यौहार बकरीद यानी ईद-उल-अजहा के मौके पर कुर्बानी के लिए नोएडा में बकरों की मंडिया सज गई हैं। लोग अभी से ही खरीददारी करने लगे हैं। लेकिन महंगाई की मार इन बकरों पर भी स्पष्ट देखने को मिल रही है। जिसका प्रभाव खरीददार के साथ-साथ बकरों के विक्रेताओं में भी साफ दिख रहा है।

सेक्टर-8, 9, 10 बांसबल्ली मार्केट में एटा से सैकड़ों बकरों को लेकर आये मो. चाँद ने बताया कि पिछले 3-4 दिनों से वे बकरों को बेच रहे हैं। लेकिन अभी खरीददारों की संख्या कम है। हालांकि उनका कहना था कि अंतिम 3-4 दिनों में खरीददारी बढ़ेगी।

मो. चाँद ने बताया कि महंगाई के कारण 12-15 हजार से सस्ता कोई बकरा नहीं मिल रहा है। उनके पास 30-35 तथा 50 हजार तक के बकरे हैं। लेकिन अभी लोग खरीददारी कम मोल-भाव ज्यादा कर रहे हैं।

लेट-लतीफी

निस्संदेह, राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी सुरक्षा उत्पादों की आपूर्ति में किसी भी लेट-लतीफी को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर ऐसे वक्त में जब देश की दो तरफ की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां बरकरार हैं। इसी आलोक में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। निस्संदेह, सरकार की ओर से घेरलू रक्षा उत्पादकता को बढ़ावा देने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध के समय भी कुछ ऐसे अनुभव देखने में आए थे। राजग सरकार का घरेलू रक्षा उत्पादन की तरफ बढ़ाया गया कदम निस्संदेह सराहनीय है। यह उत्साहजनक है कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन कुल रक्षा जरूरतों का 65 प्रतिशत हो गया है, रक्षा निर्यात 24,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। साथ ही सार्वजनिक-निजी उत्पादन का संतुलन धीरे-धीरे पक्ष में जा रहा है। वहीं आईडीईएक्स जैसी योजनाएं नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि अब निजी क्षेत्र कुल रक्षा उत्पादन में 21 फीसदी का योगदान दे रहा है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। दरअसल, यह स्थिति इस घरेलु उद्योग की संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने की जरूरत बताती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। यह दृष्टव्य है कि देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है। उसमें शोध-अनुसंधान व विकास के लिये निर्धारित राशि आधुनिकीकरण के बजट में 3.94 फीसदी ही है। निश्चित रूप से जब तक इस वित्तीय संसाधनों के संतुलन को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक हम समय की चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। निस्संदेह, देश के रक्षा क्षेत्र के तीन सार्वजनिक उपक्रमों यानी डीपीएसयू को 'मिनी रत्न' घोषित करना स्वागत योग्य कदम है। लेकिन वायुसेना प्रमुख की चेतावनी को रक्षा खरीद पारिस्थितिकी तंत्र में आमूल-चूल परिवर्तन के लिये आग्रह के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय सीमा में पारदर्शिता, अनुबंधों के सख्ती से क्रियान्वयन और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रबंधन में गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाए। निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के भारत के संकल्प को विलंबित नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उपक्रमों को गति देने की आवश्यकता है। इसमें लेट-लतीफी की कोई जगह नहीं हो सकती।

एमएसपी घोषणा सकारात्मक पहल तो चाकचोबंद खरीद व्यवस्था भी जरुरी

केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एूमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। ठीक इसी तरह से उड़द में 400 रु. तो मूंग की एमएसपी में 86 रु. और अरहर की एमएसपी में 450 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रुप से सकारात्मक दिषा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है।

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम् मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक

यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है।

और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार की और से एफसीआई और नेफैड एमएसपी खरीद के लिए नोडल संस्था है तो कपास की खरीद सीसीआई द्वारा की जाती है। राज्यों में एफसीआई व नेफैड के लिए खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती है। खरीद की व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाईन कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। पर कहीं ना कही व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यों समझा जा सकता है कि एक समय था तब सरकारी खरीद शुरु होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मण्डियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी। पर आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार द्वारा किसी ना किसी बहानें टाली ही जाती है क्योंकि बाजरे की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है और सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। वहीं दूसरी और व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलियें इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते देखे जा रहे हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है। इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आड़तियों पर निर्भरता के कारण भी किसान का लाभ आड़तियां ले जाता है। हांलाकि यह व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा की जाती है उन फसलों के तैयार होकर मण्डियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। खरीद के लिए खरीद केन्द्र की स्थापना, तुलाई ढुलाई की व्यवस्था, बारदाना, ट्रांसपोर्टेशन, भण्डारण, भुगतान की आवश्यक व्यवस्था, बैंकों से भुगतान आदि की व्यवस्था, खरीद केन्द्रों पर पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था सहित आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित हो जानी चाहिए। इसके साथ ही आज सरकार के पास उत्पादन के सारे डेटा उपलब्ध होते हैं ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए। सरकार द्वारा पूर्व में ही यह घोषणा कि इतनी मात्रा में ही खरीद की जाएगी तो इससे राजनीति के अधिक अवसर उत्पन्न हो जाते हैं और अनावश्यक भ्रम के हालात बन जाते हैं। ऐसे हालात से बचा जाना जरुरी हो जाता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है। सरकार को कोई ना कोई ऐसी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी जिससे बाजरा उत्पादक किसान एमएसपी दर घोषित होने के बावजूद अपने आपकों ठगा महसूस ना कर सके। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है ऐसे में इस और अधिक गंभीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि अभी तो बुवाई से फसल पकने तक का तीन से चार माह का समय सरकार के पास होगा। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे ताकि इस समस्या का समाधान खोजा जा सके और अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा पैसा मिल सके। देर सबेर सरकार को खरीद को सीमा में बांधने के स्थान पर स्थाई हल खोजना होगा ताकि एमएसपी व्यवस्था और अधिक किसान हितेषी हो सकें।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे राजन! रात बहुत बीत गई, अब सो जाओ। आज से तीसरे दिन मुझसे तुम्हारी भेंट होगी। तप के बल से मैं घोड़े सहित तुमको सोते ही में घर पहुँचा दूँगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-मैं आउब सोइ बेषु धरि पहिचानेहु तब मोहि।
जब एकांत बोलाइ सब कथा सुनावौं तोहि॥

मैं वही (पुरोहित का) वेश धरकर आऊँगा। जब एकांत में तुमको बुलाकर सब कथा सुनाऊँगा, तब तुम मुझे पहचान लेना॥

सयन कीन्ह नृप आयसु मानी। आसन जाइ बैठ छलग्यानी॥
श्रमित भूप निद्रा अति आई। सो किमि सोव सोच अधिकाई॥

राजा ने आज्ञा मानकर शयन किया और वह कपट-ज्ञानी आसन पर जा बैठा। राजा थका था, (उसे) खूब (गहरी) नींद आ गई। पर वह कपटी कैसे सोता। उसे तो बहुत चिन्ता हो रही थी॥

कालकेतु निसिचर तहँ आवा। जेहिं सूकर होइ नृपहि भुलावा॥
परम मित्र तापस नृप केरा। जानइ सो अति कपट घनेरा॥

(उसी समय) वहाँ कालकेतु राक्षस आया, जिसने सूअर बनकर राजा को भटकाया था। वह तपस्वी राजा का बड़ा मित्र था और खूब छल-प्रपंच जानता था॥

(क्रमशः...)

नशे को पूरी जिंदगी कहें न

तारीखें अक्सर इतिहास रचती हैं, पर कुछ तारीखें इतिहास नहीं, चेतावनी बन जाती हैं। 31 मई, एक ऐसी ही तारीख है। यह महज कैलेंडर का एक कोना नहीं, बल्कि जिंदगी और मौत के बीच खिंची हुई वह लकीर है, जिसके एक तरफ धुआं है, और दूसरी तरफ उम्मीद की हवा। यह दिन पूरे विश्व में एक ज्वर बनकर उठता है- तंबाकू के खिलाफ नशे की कालिख पर उजाले की एक पुकार बनकर। हर वर्ष, यह दिन आता है और चला जाता है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश अगर सही अर्थों में आत्मसात कर लिया जाए, तो न जाने कितनी जिंदगियां बच सकती हैं, कितने फेफड़े फिर से सांस लेना सीख सकते हैं, और कितनी माताएं अपने बच्चों को समय से पहले श्मशान ले जाने से बचा सकती हैं। 2025 में इस दिवस की थीम है- तबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की रक्षा करना। सोचिए, एक मां जब अपने नवजात शिशु को गोद में लेकर लोरी गा रही होती है, तो क्या वह जानती है कि उसकी अगली पीढ़ी का बचपन कुछ रुपयों के लोभ में उस धुएं के हवाले हो रहा है जो धीरे-धीरे उन्हें जला देगा। धुआं सिर्फ आंखों को नहीं जलाता, यह भविष्य को राख करता है। तंबाकू एक ऐसा धीमा जहर है, जो न तलवार की तरह काटता है, न जहर की तरह पलभर में मारता है। यह तो वो साजिश है जो बिना आहट के आती है और शरीर के हर कोने में घर कर लेती है। सिगरेट के हर कश के साथ एक इनसान अपनी उम्र से कुछ सेकंड चुराता है, बीड़ी के हर धुएं में किसी मां की उम्मीद दम तोड़ती है। भारत, जिसकी सभ्यता ने अमरत्व की कामना की थी, आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश बन चुका है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने तंबाकू निर्यात से 1.98 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया, जो 2023-24 में 1.45 अरब डॉलर था। हालांकि, यह आर्थिक लाभ एक भारी सामाजिक कीमत के साथ आता है। भारत में

तंबाकू के सेवन से हर वर्ष अनुमानत~ 13.5 लाख लोगों की मृत्यु होती है। यह कोई अचानक आने वाली आपदा नहीं, बल्कि एक चुपचाप चलने वाला नरसंहार है। हिमाचल प्रदेश की बात करें, जहां की हवा देवताओं की उपस्थिति का आभास कराती है, वहां भी तंबाकू की स्याही धीरे-धीरे बर्फ की सफेदी को गंदला कर रही है। शिमला, सोलन, मंडी और कांगड़ा जैसे जिलों में युवा पीढ़ी गुटखे की गोलियों और बीड़ी के कशों में भविष्य खोज रही है। आंकड़े बताते हैं कि 15 से 25 वर्ष के बीच के युवाओं में तंबाकू सेवन का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। यह कोई साधारण चिंता नहीं, यह उस हिमालय की चोटियों का कंपकंपाना है जो अब तक हर तूफान को चुपचाप सहते आए थे। लेकिन समस्या केवल तंबाकू तक सीमित नहीं है। नशे का चेहरा अब बहुरूपी हो गया है। शराब की बोतलों में डूबता बचपन, सिंथेटिक ड्रग्स की कैप्सूल में कैद होती युवावस्था, और भांग की हरी परत में सड़ता भविष्य, ये सब मिलकर हिमाचल की पवित्र वादियों को एक अनकही त्रासदी की ओर धकेल रहे हैं। भांग, जो कभी पारंपरिक औषधि मानी जाती थी, आज अवैध व्यापार और युवाओं की लत का जरिया बन गई है। हिमाचल में अनुमानित 2400 एकड़ में भांग की संगठित अवैध खेती हो रही है। नशे पर लगाम तुरंत लगानी होगी।

-डा. सिकंदर बंसल
शिक्षाविद

ईमानदारी का सर्टिफिकेट

दोस्तो! देश में ईमानदार कौन और भ्रष्टाचारी कौन, इस चर्चा के बीच में भी चर्चा में आ गया हूं। जिधर देखो, उधर मेरी ही चर्चा हो रही है। लोग महंगाई भूल गए हैं। अपनी परेशानियां भूल गए हैं। पति पत्नी एक दूसरे को ताने मारना भूल गए हैं। सबका फोकस मेरी ईमानदारी पर हो गया है। मैंने काम ही ऐसा किया है कि जो कोई नहीं कर सका, वह मैंने कर दिया है। मैंने अपने आपको खुले मंच से अपने ही हाथों ईमानदारी का सर्टिफिकेट प्रदान कर दिया है और बड़े अदब के साथ उस सर्टिफिकेट को ग्रहण भी कर लिया है और अपने ड्राइंग रूम में एक बड़ी से चमचमाती फ्रेम में सजा लिया है। अब जो भी कोई मेरे घर आएगा, सबसे पहले उसकी नजर इस सर्टिफिकेट पर पड़ेगी और वह मुझ पर बलिहारी हो जाएगा। अब समारोह कब हुआ, कौनसा मंच था, यह भी बता देता हूं। पूरा सीन आपके सामने क्रिएट कर रहा हूं। स्थान ~ घर के पिछवाड़े में लगा नीम का वह ऐतिहासिक पेड़, जिसके नीचे गांधी जी कभी मुस्कुराए थे। समय ~ दोपहर 1.30 बजे, आयोजक, मुख्य अतिथि, वक्ता और दर्शक सिर्फ मैं ही मैं था क्योंकि कोई दूसरा इस काबिल नहीं मिला। मैंने खुद को 'ईमानदारी का सर्टिफिकेट' प्रदान किया। बड़ी सादगी से, नीम के पेड़ के नीचे। न फूलमाला, न कोई मंच। बस मैं, मेरी सादगी, और मेरी महानता का दस्तावेज़। कार्यक्रम का आरंभ मैंने खुद के संबोधन से किया, 'मेरे जैसा कोई नहीं। मैंने कभी घर के लिए दफ्तर की स्टेपलर तक नहीं उठाई। कभी चाय की प्याली सरकारी फाइल के साथ नहीं जोड़ी। कोई बंद लिफाफे में पैसे थमा गया तो उसे भगवान का आशीर्वाद समझ कर ले लिया। रिश्वत नहीं मांगी। रिश्वत मांगना पाप होता है। मैं यह पाप नहीं करता, क्योंकि ईमानदारी मेरी नस-नस में है।
मेरे इस सर्टिफिकेट को सोशल मीडिया पर जबरदस्त कवरेज मिली। मुझे आशा है कि ईमानदारी का नोबेल मुझे ही मिलेगा।

राशिफल

ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ी सी, बिल्कुल क्लियर नहीं रहेगी, अवसादित रहेगी। या आप कह सकते हैं थोड़ी सी असमंजस की स्थिति बनी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी में नुकसान हो सकता है या नहीं हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। नाक, कान, गला की बड़ी परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा। मानसिक स्थिति थोड़ी सी गड़बड़ रहेगी। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सिर दर्द, नेत्र पीड़ा, कर्ज की स्थिति। खर्च की अधिकता। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन थोड़ा सा ससंकित रहेगा। डर बना रहेगा। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। गुदा से संबंधित कुछ बड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी।

सेना ने किया बहादुरी का कार्य : उधम पंडित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता उधम पंडित ने कहा कि भारतीय सेना की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि देश की तीनों सेनाओं ने मिलकर पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया और सुरक्षित भारत लौटे, वह पूरी दुनिया ने देखा है।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद को समाप्त करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प अब साकार हो रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अभी भी समय है, पाकिस्तान को चाहिए कि वह आतंकवाद से खुद को अलग कर ले।

उन्होंने कहा कि मासूम लोगों को मारकर आतंकवादी अपनी पीठ थपथपाते हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि इसका अंजाम क्या होगा। भारतीय सेना के तीनों अंगों ने मिलकर पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को जिस तरह से नष्ट किया है, वह पूरी दुनिया ने देखा है।

भाजपा ने किया भव्य कार्यक्रम का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नगर जिला कार्यालय, तिलपता गोलचक्कर पर पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने सभा को संबोधित किया। मंच संचालन जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर रानी अहिल्याबाई के जीवन व योगदान पर आधारित ऑनलाइन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में कुमारी अवाना श्रीवास्तव, कुमारी आकांक्षा, सिद्धार्थ, अभय प्रताप सिंह, कुमारी रोशनी गुप्ता, स्नेहा कुमारी सहित अन्य बच्चों को शील्ड प्रदान की गई।

जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि रानी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौड़ी गांव में हुआ था। उनके जीवनकाल में उन्होंने काशी विश्वनाथ, सोमनाथ सहित देश के कई प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। श्री गुप्ता ने यह भी कहा कि आजादी से पहले भारत के इतिहास में मुगल आक्रांताओं का महिमामंडन होता रहा, जबकि रानी अहिल्याबाई जैसी राष्ट्रनायिकाओं को भुला दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में रानी अहिल्याबाई की प्रतिमा स्थापित करने को संस्कृति पुनरुत्थान की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि पुण्यश्लोक की उपाधि भारतीय संस्कृति में अब तक केवल राजा जनक, राजा युधिष्ठिर और भगवान विष्णु को दी गई थी, और रानी अहिल्याबाई इस उपाधि को प्राप्त करने वाली एकमात्र महिला हैं। उन्होंने मुगलों और अंग्रेजों के दौर में भारतीय संस्कृति की रक्षा करते हुए ध्वस्त मंदिरों का पुनर्निर्माण कराया।

कार्यक्रम में सुभाष भाटी, देवा भाटी, धर्मेंद्र कोरी, बलराज भाटी, सतपाल तालान, ओमकार भाटी, रजनी तोमर, संजय चेची, सतेन्द्र अवाना, मनोज शिशोदिया, दीपक भारद्वाज, सतेन्द्र नागर, पवन रावल, पवन नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, वीरेन्द्र भाटी, रवि जिंदल, इन्द्र नागर, सत्यपाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, चन्द्रमणि भारद्वाज, पंकज रावल, संगीता रावल, अमित शर्मा, विजय रावल, सतीश भाटी, विमल पुंडीर, सचिन गौतम, महेश शर्मा, अर्पित तिवारी, मनोज भाटी, महेंद्र नागर, राजीव सिंघल, मनोज प्रधान, संदीप शर्मा, अशोक रावल, संजय रावत, सरफराज अली, मुकेश चौहान, संजय भाटी, दिनेश भाटी, बॉबी शर्मा, अमन कौशिक, श्यामवीर भाटी, शेखर नागर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इति विचित्र

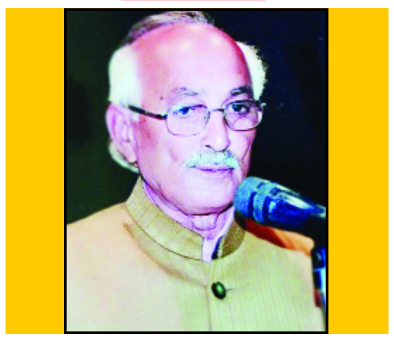

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

सौ-सौ जुर्म मुकदमे दो सौ
महासंत कहलाने वाले।
साधू साध्वी हैं बम ब्लास्टर
संसद में चिल्लाने वाले।
खुली सड़क सीसीटीवी में
महिला टीचर व्यभिचार कराये।
भाजपा का नेता धाकड़
इसको सब बकवास बताए। ।
छप्पन इंची वाले महिलाओ
को रोज सशक्त बनायें।
लंद फंद सब गोरख धंधे
अति विचित्र भाजपा खंडे।
पिअरी वाले चोर उचक्के ?
डाल डाल पर काने अंधे ।
इति विचित्र भाजपा खंडे।

गुलावली में बोलती है खनन माफियों की तूती

नोएडा (चेतना मंच)। एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं आला अफसर खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के अभियान में जुटे हैं वही गुलावली गांव में खनन माफियाओं की तूती बोल रही है। बताया जाता है कि गुलावली गांव में दिन रात अवैध रूप से खनन का काम हो रहा है। इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस एवं खनन विभाग के लोगों की मिली भगत बताई जा रही है सूत्र बताते हैं कि इस खनन से लाखों रुपए की हर रोज अवैध वसूली की जा रही है।

ग्रामीणों ने जब इस मामले की शिकायत की तो पुलिस के अफसर अधिकारी आग बबूला हो गए और उन्होंने ग्रामीणों को ही धमकाने का काम शुरू कर दिया बताया जाता है कि गुलावली गांव में सुबह से लेकर रात तक करीबन 100 डंपर से अधिक खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी मनीष वर्मा से मामले की जांच कर दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

उम्मीद संस्था ने किया नशा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर उम्मीद संस्था द्वारा गांव सादुल्लापुर में सरजीत नागर के निवास पर नशा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक परमाल नागर ने की, जबकि संचालन सचिन नागर ने किया।

गोष्ठी में संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज नागर ने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन गले और फेफड़ों के कैंसर सहित अनेक घातक बीमारियों का मुख्य कारण है। युवाओं को शिक्षा, योग और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी गई।

बादलपुर मंडल अध्यक्ष महेंद्र प्रधान तथा किसान नेता राजकुमार (तहसील अध्यक्ष, दादरी, किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा संगठन) ने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति को शारीरिक रूप से कमजोर करता है, बल्कि यह उसकी आर्थिक स्थिति और शैक्षिक प्रगति पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

गोष्ठी का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें स्वस्थ, नशा-मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर छोटे बच्चे कार्तिक द्वारा बनाई गई चित्रकला के लिए उसे सम्मानित किया गया।

गोष्ठी के अंत में सभी उपस्थित लोगों को तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। संस्था द्वारा यह निर्णय लिया गया कि संगठन गांव-गांव जाकर लोगों को तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के प्रति जागरूक करेगा।

इस मौके पर मुख्य रूप से सरजीत नागर, महेंद्र प्रधान, मास्टर ब्रह्म सिंह नागर, देशराज प्रधान, महाराज सिंह, मास्टर बालचंद नागर, डॉ. देवेंद्र कुमार नागर, मनोज नागर, सचिन नागर, दीपक शर्मा और किसान नेता राजकुमार रूपबास (तहसील अध्यक्ष, दादरी) उपस्थित रहे।

सपा की समीक्षा बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय दादरी एवं जेवर विधानसभा के पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी की एक बैठक जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में जेवर विधानसभा के पर्यवेक्षक एवं पूर्व मंत्री मांगे राम कश्यप एवं दादरी विधानसभा के पर्यवेक्षक प्रदीप कसाना मौजूद रहे। इस मौके पर कार्यकर्ताओं द्वारा महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते जेवर विधानसभा के पर्यवेक्षक मांगे राम कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। इस सरकार में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। भाजपाई जनता के पैसे की लूट कर रहे है। भाजपा सरकार की नीतियों से देश और प्रदेश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगार की मार जनता परेशान है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गरीब पिछड़े दलित अल्पसंख्यक और मजदूरों के हित के लिए अनेक कार्य किए हैं और लगातार उनके हितों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में उनको मजबूत करने की जिम्मेदारी हम सब के कंधों पर है, सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर जनता के बीच जाकर सामाजवादी विचारधारा का प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करें। इस मौके पर दादरी विधानसभा के पर्यवेक्षक प्रदीप कसाना ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकार की तानाशाही के चलते देश और प्रदेश की जनता का भविष्य अंधकारमय हो गया है भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी वीर सिंह यादव, फकीरचंद नागर, महेंद्र नागर, इन्दर प्रधान, सुनील भाटी देवटा, नरेंद्र नागर, जगवीर नम्बरदार, मेहंदी हसन, राहुल अवाना, रामशरण नागर, सुधीर तोमर, कृष्णा चौहान, कृशान्त भाटी, इंद्रपाल छौकर, लाल सिंह गौतम, सुरेंद्र नागर, बब्बल भाटी, सुनीता यादव, कपिल ननका, विनोद लोहिया, राजेश रोही, शशि यादव, रोहित मत्ते गुर्जर, अकबर खान, विकास भनोता, अवनीश भाटी, महेश भाटी, अमित रोनी, दीपक नागर, कंवर नादिर, मोहित यादव, विकास जतन, देवेंद्र टाइगर, सीपी सोलंकी बॉबी नागर, नवीन भाटी, मोहित नागर, विनीत यादव, अनिल प्रजापति, ओमेंद्र भाटी, जगत खारी, शीतल शर्मा, लोकेश जनमेदा, विक्रम टाइगर, सुभाष भाटी, जय सिंह चंदेल, अब्दुल हमीद, सुदेश भाटी, हरवीर प्रधान अनिल नागर, विपिन कसाना, वकील सिद्दीकी, महेश जाटव, राहुल चौधरी, आजाद नागर, सुमित नागर, राशिद सिद्दीकी, शाहरुख़ इदरीश, राहुल चौधरी, जावेद अंसारी, सत्येंद्र नागर, अलीम सलमानी, प्रशांत भाटी, देवेंद्र भाटी, शीतल शर्मा, गौरा जाटव, जाकिर मुनिरी, निज़ाम मलिक, नदीम सलमानी, सुमित भारती, समय भाटी, पवन जोगी, प्रदीप गहलोत, डॉक्टर जावेद आलम, केशव शर्मा, अनीसा बेगम, विजय गुर्जर, शादाब सलमानी, सन्नी प्रजापति, हरेंद्र लाला, डॉ आसिफ खान, गौरव भाटी, दिगंबर गौतम, सतीश गौतम, सलीम राव, संजय यादव, रजनीकांत भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

भदोही। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में कल पार्टी के ज़ोरई स्थित जिला कार्यालय पर पूर्णश्लोक लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म जयंती एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम 21 मई से 31 मई तक जनपद के विभिन्न स्थानों पर आयोजित संगोष्ठियों के समापन स्वरूप आयोजित किया गया। इस अभियान के जिला संयोजक सुनील मिश्रा उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का संचालन भी उन्होंने ही किया। कार्यक्रम की संयोजिका सीमा उपाध्याय रहीं।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में खादी ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य एवं जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने बाबा विश्वनाथ मंदिर को वर्तमान स्वरूप देने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। वह महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के कार्यों में उनका योगदान अमूल्य है।

उनका जीवन राजतंत्र में लोकतंत्र की चेतना से ओतप्रोत रहा, जिसमें सुशासन और जनकल्याण की भावना थी। लोकमाता अहिल्याबाई की नीति, नीयत, निर्णय और नेतृत्व में राष्ट्रीय दृष्टिकोण और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना स्पष्ट दिखाई देती है।

श्री रघुवंशी ने आगे कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने 31 मई 1725 को जन्म लेकर जीवन भर संघर्ष करते हुए मुगल आक्रांताओं का डटकर सामना किया। इसके परिणामस्वरूप 11 दिसंबर 1767 को उनका विधिवत राज्याभिषेक हुआ और उन्हें राजसिंहासन सौंपा गया।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासक ही नहीं, बल्कि एक साहसी, धर्मनिष्ठ और न्यायप्रिय महिला थीं। उन्होंने अपने राज्य को स्थायित्व प्रदान किया, मंदिरों, कुओं, धर्मशालाओं और घाटों का निर्माण करवाया। उनके कार्यों में काशी, गया, सोमनाथ, द्वारका और रामेश्वरम जैसे प्रमुख तीर्थस्थल शामिल हैं। वे सैनिक रणनीति में भी दक्ष थीं और आय-व्यय प्रणाली को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करती थीं। उनका शासनकाल मालवा के लिए संस्कृति और अध्यात्म का स्वर्ण युग रहा।

13 अगस्त 1795 को जब वे इस लोक से विदा हुईं, तो वे एक ऐसा आदर्श राज्य मॉडल छोड़ गईं, जिसमें शक्ति, सेवा और संयम के मूल मंत्र निहित थे। उन्होंने अपनी सम्पत्ति को तुलसी दल के रूप में भगवान शिव को अर्पित कर शासन संभाला और मंदिरों का पुनर्निर्माण कराया। इस अवसर पर 6 मेधावी बच्चों—आराध्या बिंद, सचिन पाल, वैष्णवी मिश्रा, दिव्या दुबे, शिक्षा दुबे, लकी कुमार एवं स्नेहा—को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, पूर्व विधायक रविंद्र त्रिपाठी, नागेंद्र सिंह कुंवर, प्रमोद चंद मौर्य, रमेश पांडेय, लालता प्रसाद सोनकर, जितेंद्र गुप्ता, अखिलेंद्र सिंह बघेल, चिंटू, अशोक गुप्ता, सत्यशील गुप्ता, प्रेम शंकर तिवारी, रोली सिंह, गोवर्धन राय, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रियंका बिना, मनोज मिश्रा, सतीश पांडेय, प्रदीप सिंह, गोरेलाल पांडेय, सुरेंद्रनाथ पांडेय, दिलीप गुप्ता, संजय सिंह बऊ, स्नेहलता श्रीवास्तव, राकेश गुप्ता, राकेश सिंह, सिराज अख्तर, मनीष पांडेय, सरवर सिद्दीकी, रत्नाकर पाठक, सपना दुबे, संगीता खन्ना एवं पूनम गुप्ता आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

दादरी। जीटी रोड़ आर-जी गार्डन के सामने भारतीय सैफी समाज द्वारा कल टीम ने शरबत और पानी वितरित किया गया। इस मौके पर भारतीय सैफी समाज के राष्ट्रीय सचिव दादरी चैयरमेन पद के भावी प्रत्याशी वसील अहमद मुबिन सैफी जिलाध्यक्ष डा सुबराती इमरान सैफी सानू सैफी फिरोज सैफी गुड्डू सैफी अनीस सैफी रहिसुददीन सैफी आदि लोग मौजूद रहे।

Name Change
This is to inform you that, KIRAN BHARD-WAJ D/O KAILASH, have correct my father name in my all documents to KIRAN BHARDWAJ D/O KAILASH CHAND SHARMA, I will be know on the name of KIRAN BHARDWAJ D/o KAILASH CHAND SHARMA. All future purpose

खास खबर

21 फलस्तीनियों की मौत

गाजा । गाजा पट्टी में इजराइल समर्थित एक संगठन से सहायता आपूर्ति प्राप्त करने के लिए जाते समय कम से कम 21 फलस्तीनियों की मौत हो गई। यह जानकारी रेडक्रॉस द्वारा संचालित एक अस्पताल ने दी। अस्पताल में अधिकारियों ने बताया कि 175 अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्होंने नहीं बताया कि उन पर गोलीबारी किसने की। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन द्वारा सहायता आपूर्ति का वितरण करने के दौरान अराजकता की स्थिति बनी है। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा है कि इजराइली सैनिकों ने सहायता वितरण स्थलों के पास भीड़ पर गोलीबारी की। लोकल स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, कम से कम छह लोग मार गए तथा 50 से अधिक घायल हुए। फाउंडेशन का कहना है कि उसके स्थलों की सुरक्षा कर रहे निजी सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ पर गोली नहीं चलाई जबकि इजराइली सेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाने की बात स्वीकार की है। फाउंडेशन ने लोगों के हताहत होने की घटना पर टिप्पणी करने के अनुरोध पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या

हंडिया । प्रयागराज में युवक की चाकू से गोदकर हत्या की गई। युवक चचेरे भाई के साथ स्टेशन जा रहा था। तभी रास्ते में 4-5 युवकों ने उन्हें रोककर मारपीट शुरू कर दी। फिर दो लोगों ने युवक का हाथ पकड़ लिया। तीन लोग युवक को लगातार चाकू मारते रहे। जब वह अधमरा हो गया, तब उसका प्राइवेट पार्ट काट दिया। युवक की वहीं पर तड़प-तड़प कर मौत हो गई। वारदात के दौरान बदमाशों ने युवक के चचेरे भाई को पकड़ रखा था। चचेरे भाई ने पुलिस हेल्पलाइन 112 पर फोन किया। घटना के बाद वहां परिजन पहुंचे। गुस्साई भीड़ ने जमकर हंगामा किया। जानकारी अनुसार शुभम तिवारी (21) मृतक जौनपुर के नीभापुर गांव का रहने वाला था। ये गांव प्रयागराज और जौनपुर के बॉर्डर पर है। दिल्ली में निजी कंपनी में जॉब करता था। सैलरी कम मिलने की वजह से वह नौकरी छोड़कर घर आ गया था। शुभम के पिता त्रिलोकी नाथ तिवारी (52) किसानी का काम करते हैं।

फ्रांस में सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान पर बैन

पेरिस। फ्रांस ने धूम्रपान के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए इसे समुद्री किनारों, पार्कों और स्कूलों के आस-पास बैन करने की घोषणा की है। फ्रांस की स्वास्थ्य और परिवार मंत्री ने धूम्रपान बैन की जानकारी देते हुए कहा कि फ्रांस के सभी आउटडोर जगहों पर जहां बच्चे आते-जाते हैं, वहां धूम्रपान बैन रहेगा। धूम्रपान पर यह रोक 1 जुलाई से लागू होगी। जुलाई महीने से फ्रांस के समुद्री किनारों, पार्कों, सार्वजनिक बागों, स्कूल के बाहर आस-पास वाले इलाकों, बस स्टॉप और स्पोर्ट्स वेन्यू पर धूम्रपान करना बैन हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांसीसी मंत्री ने कहा कि जहां बच्चे होते हैं, उन जगहों से तंबाकू को बिल्कुल गायब कर देना चाहिए। जब बच्चों के साफ हवा में सांस लेने की बात आती है तो धूम्रपान की आजादी खत्म हो जानी चाहिए।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश ने मचाई तबाही, 24 घंटे में 32 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश ने भीषण तबाही मचाई है। पिछले 24 घंटे में बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 32 लोगों की जान जाने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है। हालांकि बारिश से पूरी तरह निजात नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोत्तर में अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में मूसलाधार बारिश जारी रहने की संभावना है उत्तरी बंगाल और मेघालय पर बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से असम, मिजोरम,

मेघालय ,नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो रही है। बाढ़, भूस्खलन और मकानों-होटलों के ढहने की वजह से कई लोग मारे गए हैं और कई अब भी लापता हैं। मेघालय में तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। चेरापुंजी और मॉसिनराम में एक दिन में ही 47 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। नगालैंड के चूमीकेदिमा में सड़क पर चट्टान गिरने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई। मिजोरम में घर और होटल ढहने की वजह से कम से कम 6 लोगों के मारे जाने की खबर है। इसमें म्यांमार के भी तीन नागरिक शामिल हैं। वे जिस होटल में ठहरे थे वह बारिश की वजह से ढह गया। मणिपुर में आइरिल और नांबुल नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अरुणाचल प्रदेश में पानी के तेज बहाव की वजह से हाइवे से ही एक कार बह गई जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। ईस्ट कामेंग जिले में एनएच-13 पर पानी के तेज बहाव की वजह से कार बह गई। वहीं सुबानसिरी जिले में दो मजदूर भूस्खलन के चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिवार के लिए चार लाख रुपये मदद राशि का ऐलान किया है। असम में भारी बारिश की वजह से कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। लखीमपुर जिले में रंगानदी डैम से ज्यादा पानी छोड़े जाने की वजह से कम से कम दो की जान चली गई। गुवाहाटी में तीन बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। बोंडा इलाके में भूस्खलन की वजह से एक शख्स की जान चली गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के पश्चिमी भाग में तीन जिलों में ह्वरेड अलर्ट है और आठ अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कर्नाटक में हुक्का बार पर प्रतिबंध और तंबाकू पर सख्त नियम लागू

एजेंसी

बेंगलुरू । कर्नाटक सरकार ने युवाओं को तंबाकू और नशे की आदतों से दूर रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य में हुक्का बारों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है और 21 साल से कम उम्र के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री करना अब अवैध घोषित किया गया है। यह नया कानून सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2024 में पारित किया गया है और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद प्रभावी हो गया है। इस नए कानून के अनुसार हुक्का सेवन केंद्रों को बंद करने का निर्देश दिया गया है। कोई भी बार, कैफे, पब या रेस्टोरेंट अब हुक्का सर्व नहीं कर पाएगा, और हुक्का बार चलाने वालों को अब एक से तीन साल की जेल और 50,000 से 1 लाख रुपए तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। इसके अलावा, किसी भी स्कूल, कॉलेज या अन्य शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह से बैन कर दी गई है। साथ ही, तंबाकू उत्पादों की बिक्री की न्यूनतम आयु सीमा को 21 वर्ष कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि इन निर्णयों का उद्देश्य युवा पीढ़ियों को तंबाकू और नशे की लत से बचाना और सार्वजनिक स्थानों को स्वस्थ और सुरक्षित बनाना है। स्कूलों और कॉलेजों में भी तंबाकू के संबंधित उत्पादों के विपरीत नापसंदीकरण के लिए कठोर कार्रवाई की जा रही है। ऐसे कानूनों के पालन से समाज में स्वस्थ और बेहतर माहौल बनाने के लिए सरकार ने किया है और नागरिकों से यह अपील की है कि वे भी इन उपायों का समर्थन करें।

18 करोड़ पासवर्ड लीक, बैंकिंग और कारोबार में बड़ा खतरा

एजेंसी

न्यूयॉर्क । साइबर सिक्योरिटी रिसर्च का जो नई रिपोर्ट सामने आई है। उसके अनुसार 18 करोड़ पासवर्ड सोशल मीडिया के माध्यम से लीक हो चुके हैं। इन पासवर्ड के लीक होने से पर्सनल, कॉरपोरेट और सरकारी अकाउंट से जुड़े पासवर्ड लीक हो गए हैं। जिसके कारण पूरी दुनिया के देशों में साइबर धोखाधड़ी बढ़ती ही जा रही है। साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर ने एक ऐसी धोखाधड़ी को पकड़ा है। जो ऑनलाइन डाटाबेस के जरिए डाटा को चुराता है। जहां पर डाटा रखा हुआ है। उसमे कोई सिक्योरिटी नहीं है। ईमेल एड्रेस, पासवर्ड, ऑथराइजेशन, यूआरएल और

लागिन डिटेल प्लेन टेक्स्ट में रखे जा रहे थे। जिसके माध्यम से लगातार डाटा चोरी हो रहा है। गूगल, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म से यह डाटा चोरी हो रहे हैं। जो पासवर्ड लीक हुए हैं। उनमें बैंक के अकाउंट से संबंधित, हेल्थ से संबंधित, कारपेट सिस्टम, निजी जानकारियां और सरकारी योजनाओं से संबंधित पासवर्ड लीक हुए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है की सोशल मीडिया के इन प्लेटफार्म पर पूरा डेटाबेस बिना किसी पासवर्ड और इंक्रिप्शन के ऑनलाइन सहज रूप से सुलभ हो जाता है। कोई भी जानकार व्यक्ति इन्हें आसानी से एक्सेस कर सकता है। इस रिपोर्ट के अनुसार बड़े पैमाने पर पासवर्ड लीक हो जाने से बैंकिंग और सरकार से संबंधित कार्यों में धोखाधड़ी से बचना बहुत मुश्किल हो गया है। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर सरकारों को सिक्योरिटी और मजबूत करनी होगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी तय करनी होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो आने वाले समय में बहुत बड़ी चुनौती साइबर क्राइम के रूप में सारी दुनिया के देशों को झेलनी पड़ सकती है। करोड़ों लोग धोखाधड़ी के शिकार हो सकते हैं।

सपा नेता ने जहर खाकर दी जान

औरैया। अजीतमल तहसील के गांव असेवटा के प्रधान और प्रधान संघ के जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव उर्फ गुड्डू का रविवार सुबह सैफई मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। शनिवार शाम को उन्होंने गांव के बाहर जहरीला पदार्थ का सेवन किया। हालत बिगड़ने पर उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। गंभीर स्थिति में डॉक्टरों ने उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रदीप यादव समाजवादी पार्टी में युवजन सभा के जिला अध्यक्ष रह चुके थे। वह सपा नेता शिवपाल यादव के करीबी माने जाते थे। उनकी मृत्यु के कारणों पर स्थानीय लोगों ने चुप्पी साध रखी है। इस घटना से पूरे जनपद में शोक की लहर है।

हरियाणा में तेजी से फैल रहा नशा तस्करों का नेटवर्क : सांसद

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। समूचे राज्य में नशा तस्कर हेरोइन, गांजा, अफीम व अन्य प्रकार के जानलेवा नशा की सप्लाई करने में जुटे हैं। नशा तस्करों के बढ़ते और फैलते नेटवर्क के चलते ऐसा जान पड़ता है जैसे हरियाणा उनका पसंदीदा राज्य बन गया हो। सांसद सैलजा रविवार को सिरसा दौरे पर थी। इस दौरान उन्होंने डबवाली में जाकर हाल ही में सड़क हादसे का शिकार हुए आढ़ती बब्बर, उनकी पत्नी व बेटे के निधन पर गहरा दुख जताया। सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार नशा तस्करों की कमर तोड़ने और करोड़ों रुपये के नशीले पदार्थ बरामद करने का दावा कर रही है बावजूद इसके तस्करों का नेटवर्क प्रदेश में तेजी से फैल रहा है। प्रदेश में नशे की गूंज हर चौक चौराहे, विधानसभा सदन तक सुनाई देती है। पुलिस को नशा तस्करों का किला ध्वस्त करने के लिए, और जो युवा नशा कर रहे हैं उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में युद्ध स्तर पर काम करना चाहिए। प्रदेश के अधिकतर जिलों में नशा तस्कर सक्रिय हैं। उनके आगे खुफिया तंत्र भी बौना साबित हो रहा है। पंजाब सीमा से सटा सिरसा और फतेहाबाद जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। राजस्थान से नशे की खेप रेवाड़ी पहुंचती है जहां से एनसीआर में नशा पहुंचाया जाता है। पंजाब से नशे की बड़ी खेप दिल्ली और दिल्ली से प्रदेश के दूसरे जिलों में भेजी जाती है।

विजय भाटिया और उनके रिश्तेदारों के 5 ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज सुबह आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने दुर्ग जिले के भिलाई में विजय भाटिया और उनके रिश्तेदारों के 5 ठिकानों पर दबिश दी है। विजय भाटिया पेशे से कारोबारी हैं और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह छापामार कार्रवाई आबकारी घोटाला मामले में की गई है। भिलाई के नेहरू नगर ईस्ट में विजय भाटिया के दो रिश्तेदारों के घर के साथ भिलाई सेक्टर 06 स्थित विजय के फर्नीचर शोरूम, हथखोज में उनकी फैक्टरी तथा आदर्श नगर में पिता के पैतृक मकान में एजेंसी ने दबिश दी है। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी माने जाने वाले विजय भाटिया के ठिकानों पर शराब घोटाले से जुड़े मामले में ईडी, एसीबी-ईओडब्ल्यू के अधिकारी तीन बार छापा मार चुके हैं। छत्तीसगढ़ का यह बहुचर्चित शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच राज्य की सरकारी शराब दुकानों से अवैध तरीके से शराब बेचने से जुड़ा है। इस घोटाले में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की बात कही गई है।

सर्पदंश से गृहिणी की मौत

सिलीगुड़ी। सांप के काटने से एक गृहिणी की मौत हो गई। नक्सलबाड़ी के जोतिया जोत से रविवार को सामने आई है। मृतक गृहिणी का नाम कविता रॉय है। घटना से इलाके में मातम का माहौल है। बताया जा रहा है कि गृहिणी शनिवार दोपहर अपने घर के सामने खाना बनाने के लिए लकड़ी लाने गई थी। उसी समय एक सांप ने गृहिणी को डस लिया। उस समय गृहिणी कुछ समझ में नहीं पाई थी। देर रात जब गृहिणी की हालत बिगड़ी तो उसे नक्सलबाड़ी अस्पताल ले जाया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर गृहिणी को नक्सलबाड़ी अस्पताल से उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल रेफर कर दिया गया।

शरीर को भोजन से होने वाले नुकसान से बचाते हैं खास सेल्स

एजेंसी

यरूशलम। शोधकर्ताओं ने इम्यून सिस्टम के ऐसे खास सेल्स खोजे हैं, जो शरीर को भोजन से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इस खोज से पता चला है कि हमारा शरीर खाने को कैसे हानिरहित मानता है और उस पर हमला क्यों नहीं करता। इसे ओरल टॉलरेंस कहा जाता है, जो खाने से होने वाले सूजन और संक्रमण से बचाव करती है। वाइजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के शोधकर्ताओं की यह खोज फूड से जुड़ी एलर्जी, संवेदनशीलता और सीलिएक रोग जैसे मामलों के नए इलाज खोजने में मददगार साबित हो सकती है। अब तक वैज्ञानिकों का मानना था

कि डेंड्राइटिक कोशिकाएं इस प्रक्रिया की जिम्मेदार होती हैं, लेकिन हाल के अध्ययन में यह पता चला कि जब इन कोशिकाओं को हटाया गया, तब भी शरीर भोजन को स्वीकार करता रहा। डब्ल्यूआईएस के शोधकर्ताओं ने एक नई कोशिका समूह आरओआर-गामा-टी कोशिकाएं की पहचान की है, जो असल में इस प्रक्रिया को नियंत्रित करती हैं। ये दुर्लभ कोशिकाएं चार अलग-अलग प्रकार की कोशिकाओं को सक्रिय करती हैं, जो मिलकर शरीर की उन हमलावर कोशिकाओं (सीडी8 कोशिकाएं) को रोकती हैं, जो भोजन पर हमला कर सकती थीं। इस प्रणाली के काम करने में कोई गड़बड़ी हो तो शरीर खाद्य एलर्जी या अन्य बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है, जैसे ग्लूटेन पर होने वाला हमला। शोध में यह भी पाया गया कि संक्रमण के दौरान प्रतिरक्षा प्रणाली अस्थायी तौर पर इस फूड टॉलरेंस को दरकिनार कर सकती है ताकि सूक्ष्मजीवों से लड़ाई में सहायता मिल सके। शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रतिरक्षा प्रणाली में कार्यों का विभाजन पहले से कहीं अधिक जटिल है। डेंड्राइटिक कोशिकाएं हमेशा यह तय नहीं करतीं कि बाहरी तत्वों पर हमला करना है या नहीं। बल्कि, कुछ अन्य खास कोशिकाएं होती हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि हम भोजन को सुरक्षित रूप से ग्रहण कर सकें।

न्यूयॉर्क में दिखा भारतीय शादी का जलवा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक गलियों में शुमार वॉल स्ट्रीट पर हाल ही में कुछ ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग हैरान और भावुक दोनों हो गए। आमतौर पर बिजनेस और स्टॉक मार्केट की चहल-पहल के लिए पहचाने जाने वाले न्यूयॉर्क के लोअर मैनहैटन में उस दिन सिर्फ शेयर बाजार नहीं, बल्कि शादी का बाजार भी सजा हुआ था।वॉल स्ट्रीट में तकरीबन 400 बारातियों की टोली ने पारंपरिक भारतीय कपड़ों में सजधज कर ढोल-नगाड़ों, डीजे और नाच-गाने के साथ पूरे इलाके को भारत के रंगों में रंग दिया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हर तरफ जश्न, नृत्य

और भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई दे रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दूल्हा बेज रंग की शेरवानी में सजी-धजी घोड़ी पर सवार था, जबकि दुल्हन लाल लहंगे में किसी रॉयल ब्राइड की तरह नजर आ रही थीं। उनके आस-पास नाचते बारातियों की टोली, चमकते कपड़े और बॉलीवुड बीट्स पर थिरकते लोग, सब कुछ किसी फिल्मी दृश्य जैसा लग रहा था। वॉल स्ट्रीट जैसी व्यावसायिक गंभीरता वाली औपचारिक जगह पर जब ढोल और शहनाइयों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद स्थानीय नागरिक और पर्यटक भी इस अनोखे दृश्य को कैमरे में कैद करने से खुद को रोक नहीं सके। कई अमेरिकी दर्शकों ने भी बारातियों के साथ कदम-ताल मिलाया और भारतीय विवाह परंपरा का आनंद लिया। इस शादी के वीडियो को अब तक लाखों लोग देख चुके हैं और सोशल मीडिया पर इसकी भारी सराहना हो रही है। कई यूजर्स ने लिखा कि यह सिर्फ शादी नहीं, संस्कृति का उत्सव था, जिसने यह साबित किया कि भारतीय परंपराएं दुनिया के किसी भी कोने में अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

ऑपरेशन घोस्ट सिम में एक और आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी। ऑपरेशन 'घोस्ट सिम' के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम ने एसटीएफ थाना केस नंबर 02/2025 में एक और मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार की रात को एसटीएफ असम और धुबड़ी जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मोस्तफा रहमान (29) को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई गजराज मिलिट्री इंटेलिजेंस द्वारा प्रदान की गई इनपुट के आधार पर की गई। ऑपरेशन के दौरान जब्त की गई सामग्रियों में एक लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, तीन माइक्रो एटीएम मशीनें, एक बायोमेट्रिक डिवाइस, छह एटीएम कार्ड, 11 मतदाता पहचान पत्र, एक आधार कार्ड तथा एक पैन कार्ड शामिल हैं।

भगोड़े नीरव मोदी का भारत आना तय

▸ कोर्ट ने की याचिका खारिज

एजेंसी

लंदन। भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की भारत वापसी लगभग तय है। नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दाखिल अर्जी को बीते महीने यूके की कोर्ट ने खारिज कर दिया। बीते छह साल से ब्रिटेन की जेल में बंद मोदी की भारत वापसी में ये आखिरी कानूनी अड़चन थी। नीरव मोदी के वकील ने उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ कोर्ट में कई तर्क दिए लेकिन कोर्ट को प्रभावित करने में नाकाम रहे। यूके कोर्ट ने भारतीय अधिकारियों के आश्वासनों को मानते हुए कहा कि प्रत्यर्पण से उसके

मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूके की कोर्ट बेंच डिवीजन ने नीरव मोदी की अपील को खारिज कर दिया है। नीरव मोदी की कानूनी टीम ने तर्क दिया था कि उसकी मानसिक स्थिति और आत्महत्या के विचारों के चलते यूरोपीय मानवाधिकार कन्वेंशन के तहत ये प्रत्यर्पण दमनकारी होगा। नीरव मोदी के वकीलों ने भारत की जेलों की खराब स्थिति की बात कोर्ट के सामने रखी। उसके वकील ने कहा कि भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए पर्याप्त प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का अभाव है। ऐसे में कोर्ट मानसिक रूप से परेशान नीरव मोदी को भारत नहीं भेजने का आदेश दे। सीपीएस ने भारतीय अधिकारियों से विशेषज्ञ साक्ष्य पर भरोसा किया। इसमें जेल के बुनियादी ढांचे, चिकित्सा निरीक्षण और आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में कैदी के लिए, मौजूद विशिष्ट आत्महत्या रोकथाम व्यवस्था का विवरण दिया गया। नीरव मोदी साल 2019 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से वांड्सवर्थ जेल में बंद है।

पृष्ठ एक के शेष....

मायावती ने चंद्रशेखर को...

बहुत से लोगों में बेचैनी स्वाभाविक है। पार्टी को उम्मीद है कि अब आकाश आनंद डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ाने व उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी पूरी तन्मयता व जी-जान से निभाएंगे। पार्टी को अवसरवादी व स्वार्थी लोगों की कतई जरूरत नहीं है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना कहा कि वैसे भी कांग्रेस, भाजपा व सपा आदि पार्टियों के सहारे व इशारे पर चलकर बहुजनों की एकता व बसपा को कमजोर करने वाले बरसाती मेंढकों की तरह के संगठन व दलों के नेता चाहे निजी स्वार्थ में विधायक, सांसद व मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है। लिहाजा लोग इनसे सावधान रहें। बता दें कि चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को कहा था कि आकाश आनंद को जनता नकार चुकी है। उन्हें मजबूरी में निकाला और रखा जा रहा है। बसपा के पास और कोई विकल्प नहीं है।

राम मंदिर का शिखर..

जिसे फूलों से सजाया गया है। ये फूलों की झांकी न केवल सौंदर्य है, बल्कि गर्मी से बचाव और स्वागत की परंपरा का भी प्रतीक है। अयोध्या के पहले महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने जानकारी दी कि सीएम योगी के जन्मदिवस और प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता अस्पतालों में फल वितरण करेंगे और आमजन की सेवा से इस दिन को और भी पुण्यमय बनाएंगे।

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व 2 जून को महिलाओं द्वारा भव्य सरयू जल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 3 जून से 5 जून तक विशेष पूजा-पाठ, अनुष्ठान और आध्यात्मिक क्रियाएं चलेंगी। 3 और 4 जून को पूजा सुबह 6:30 से रात 9 बजे तक चलेगी। 5 जून को सुबह 6:30 बजे से पूजा प्रारंभ होगी और 11 बजे के बाद प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी।

उत्तराखंड पब्लिक स्कूल...

जो पैसा उनसे प्राधिकरण में बकाया जमा करने के नाम पर पिछले कई वर्षों से वसूला जा रहा है उसकी बाकी रकम वापस दिलाई जाए।

धरने पर बैठी टीचर्स का आरोप है स्कूल प्रबंधन चाहता है कि सभी टीचर्स लिख कर दे। उनकी बात न मानने पर सभी टीचर्स को स्कूल से निकाल दिया गया। इसके बाद से प्रबंधन टीचर्स पर अत्याचार कर रहा है। टीचर्स पर प्रबंध निदेशक द्वारा कई बार अमर्यादित व्यवहार भी किया जा रहा है।

यदि कोई टीचर छुट्टी मांगती तो उन्हें छुट्टी नहीं दी जाती बल्कि छुट्टी के दिन भी स्कूल बुलाया जाता है। इस संबंध में 17 अक्टूबर 2024 को सभी टीचर्स ने एकजुट होकर जिलाधिकारी से स्कूल मैनेजमेंट की शिकायत की लेकिन कार्रवाई शून्य रही। काफी इंतजार करने के बाद इस मामले को आईजीआरएस पोर्टल पर डाला गया। उसके बाद जिलाधिकारी की ओर से तीन सदस्य कमेटी बनाई गई। जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट, डीआईओएस और डिप्टी रजिस्ट्रार शामिल रहे इस कमेटी ने भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। इसी बीच उत्तराखंड पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट ने 11 टीचर्स को बाहर निकाल दिया यानी नौकरी से टर्मिनेट कर दिया। आज स्कूल से निकाली गई टीचर और उनके समर्थन में कई अन्य टीचर्स स्कूल के बाहर धरना दे रही है। इस संबंध में स्कूल मैनेजमेंट से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन वो उपलब्ध नहीं हो सके।

खास खबर

रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई 8 को

मुम्बई । क्रिकेटर रिंकू सिंह शीघ्र ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनकी शादी उत्तरप्रदेश के मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज से इसी साल नवंबर में होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की सगाई इसी माह 8 जून को लखनऊ में होने वाली है। रिंकू भारतीय टी20 क्रिकेट टीम से खेलते हैं। वहीं प्रिया समाजवादी पार्टी की टिकट से सांसद हैं। ऐसे में शादी में क्रिकेटरों के साथ ही कई बड़े राजनेताओं ओर जानी मानी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। वहीं प्रिया पेशे से वकील हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने पित की जगह पर उतरीं थीं। रिंकू और प्रिया दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं। इन दोनो की शादी को लेकर इस साल की शुरूआत में सबसे पहले खबरें आयीं थीं पर तब इन दोनो ने ही उन्हें गलत बताया था।

मुदित व अथर्व योग्यता चक्र के अंतिम दौर में

इन्दौर । मध्यप्रदेश टेनिस संघ के तत्वाधान में इन्दौर टेनिस क्लब में स्व. विद्यादेवी कक्कड़ की स्मृति में आयोजित आल इंडिया चैंपियनशिप सीरीज जूनियर टेनिस टूनामेंट में योग्यता चक्र के प्रारंभिक मुकाबले जीतकर अंडर-12 बालक वर्ग से मध्यप्रदेश के अनुकल्प यादव, मुदित शर्मा, अथर्व लाहोटी ने योग्यता चक्र के अंतिम दौर (क्वालीफाइंग फाइनल राउण्ड) में प्रवेश कर लिया है। शनिवार को खेले गए अंडर-12 बालक एकल के क्वालीफाइंग राउंड के प्रारंभिक मुकाबलों में अनुकल्प यादव (म.प्र.) ने अयान केडिया (म.प्र.) को 9-7 से, मुदित शर्मा (म.प्र.) ने प्रतुश चौहान (म.प्र.) को 9-2 से तथा अथर्व लाहोटी (म.प्र.) ने विवान गाँधी (गुजरात) को 9-6 से शा?कस्त दी। अन्य मुकाबलों में शौर्य सूद (महाराष्ट्र) ने विहान व्यास (गुजरात) को 9-8 से, अनिरुद्ध त्यागी (गुजरात) ने हृदयान डागा (म.प्र.) को 9-0 से, मुहम्मद अली खान (म.प्र.) ने मेघांश केलोदा (म.प्र.) को 9-2 से, भव्य शाह (गुजरात) ने अद्विक गोयल (म.प्र.) को 9-4 से, समर्थ वानखेड़े (महाराष्ट्र) ने रूग्वेद वाकंकर (महाराष्ट्र) को 9-3 से हराया।

तेजस, रचिता, सावी व दिविसा को खिताब

इन्दौर । इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में 51 वें ग्रीष्मकालीन टेबल टेनिस शिविर के प्रशिक्षुओं के लिये आयोजित टेबल टेनिस स्पर्धा में बालक अंडर-11 आयु वर्ग में शिवान अग्रवाल, अंडर-15 आयु वर्ग में भव्य वर्मा व अंडर-15 से अधिक आयु वर्ग में तेजस सप्ताक ने, बालिका अंडर-11 आयु वर्ग में रचिता वर्मा, अंडर-15 आयु वर्ग में सावी गर्ग व अंडर-15 से अधिक आयु वर्ग में दिविसा कुस्माकर ने खिताब जीता। अभय प्रशाल में खेली गई स्पर्धा में बालक अंडर-11 आयु वर्ग के अंतिम मुकाबले में शिवान अग्रवाल ने देवांश सोलंकी को 3-1 से, अंडर-15 आयु वर्ग में भव्य वर्मा ने निकुंज काले को 3-1 से, वही अंडर-15 से अधिक आयु वर्ग में तेजस सप्ताक ने सिद्धार्थ पंवार को 3-0 से हराकर खिताब पर अपना कब्जा किया। बालिका अंडर-11 आयु वर्ग के फाईनल मुकाबले में रचिता वर्मा ने दिविशा चोयल को 3-0 से, अंडर-15 आयु वर्ग में सावी गर्ग ने सौम्या चुघ को 3-0 से, वही अंडर-15 से अधिक आयु वर्ग में दिविसा कुस्माकर ने स्वाती बाफना को 3-0 से हराकर फाईनल जीता।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूनामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में ??भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरूआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शुटआउट में निकला।शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

रॉय 10,000 रन बनाने वाले इंग्लैंड के चौथे खिलाड़ी बने

एजेंसी

लंदन । इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने यहां काउंटी टीम समरसेट के खिलाफ मुकाबले में अपने 10,000 रन पूरे किये हैं। इसी के साथ ही रॉय टी20 क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बने हैं। वहीं वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले विश्व में 17वें खिलाड़ी बने है। रॉय ने अब तक कुल 383 पारियों में 10,066 रन बनाए हैं। रॉय अभी सर्रे के लिए ब्लास्ट टी20 टूनार्मेंट खेल रहे हैं। पिछले दिनों समरसेट के खिलाफ उन्होंने 54 गेंदों पर 6 चौके और 7 छक्कों की सहाय से 92 रन बनाए हालांकि उनकी टी 146 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच में हालांकि समरसेट की टीम को जीत मिली। इंग्लैंड की ओर से टी20 में सबसे ज्यादा रन एलेक्स हेल्स के नाम हैं। हेल्स ने 492 पारियों में 13,698 रन बनाए हैं। वहीं जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के 422 पारियों में 12,561 रन हैं जबकि जेम्स विंस के 419 पारियों में 12,087 रन हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। वहीं डेविड मलान ने 355 पारियों में 9,929 रन बनाये हैं। रॉय टी20 क्रिकेट में अपनी राष्ट्रीय टीम के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड की ओर से टी20 लीग और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। रॉय ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है। टी20 क्रिकेट में 10,000 रनों का आंकड़ा हासिल करना मेरे लिए विशेष है, और मैं इसके लिए अपने साथियों और कोचों के समर्थन को श्रेय दिया है।

करुण नायर के दोहरे शतक से इंडिया ए ने बनाये 557 रन

▸ इंग्लैंड लायंस ने बनाये 235/2

एजेंसी

कैंटरबरी । करुण नायर के शानदा दोहरे शतक से इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में ही 557 रनों का विशाल स्कोर बना दिया। करुण ने बल्लेबाजी के दौरान 281 गेंदों पर 204 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 281 गेंदों पर 26 चौके और एक छक्का लगाया। अपनी इस पारी से करुण ने अपनी वापसी को सही साबित किया। इंडिया ए ने इस मैच में अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में ही 557 रन बना दिये। वहीं पहले दिन इंडिया ए ने तीन विकेट पर 409 रन बनाये थे। पहले दिन करुण 186 जबकि ध्रुव जुरेल 82 रनों पर खेल रहे थे। वहीं सरफराज खान ने भी 92 रनों की अच्छी पारी खेली। दूसरे दिन करुण नेदोहरा शतक पूरा किया, जबकि जुरेल 94 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं इंग्लैंड लायंस की ओर से जोश हल ने 2/51 और एडी जैक ने 51रन देखकर एक विकेट लिया। वहीं इंग्लैंड लायंस ने अपनी पहली पारी में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 235 रन बनाए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय टॉम 100 रन पर खेल रहे थे। भारतीय टीम की ओर से हर्ष दुबे और अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट लिया।

शुभमन को कप्तान बनाये जाने का फैसला सही : धवन

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने इसी माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाने को सही फैसला बताया है। वहीं कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने इसपर सवाल उठाये थे और कहा था कि शुभमन की तो टीम में जगह भी पक्की नहीं है। ऐसे में उन्हें कैसे कप्तान बनाया जा सकता है। इसके अलावा कहा था कि टेस्ट में अब तक उनकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है। चयन समिति ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह शुभमन को टीम की कप्तान सौंपी थी और कहा था कि भविष्य को देखते हुए ये फैसला किया गया है। धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह एक शानदार और परिपक्व खिलाड़ी हैं और कई साल से भारतीय टीम के लिए खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए सही विकल्प हैं। मुझे भरोसा है कि वह अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा। यह अब नई पीढ़ी है जिससे काफी उम्मीदें है। इसके साथ ही धवन ने कहा कि मुंबई इंडियंस एक संतुलिन टीम है जो खिताब जीत सकती है। । उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा। मुंबई इंडियंस की टीम काफी अच्छा खेल रही है।

इस बार आरसीबी करेंगी खिताब पर कब्जा : डिविलियर्स

एजेंसी

मुंबई । दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने कहा है कि इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम खिताब जीत सकती है। आरसीबी पहले क्वालिफायर को जीतकर खिताबी मुकाबले में पहुंची है। इसमें उसका मुकाबला दूसरे क्वालीफायर की विजेता टीम से होगा। आरसीबी लीग चरण में 19 अंकों के साथ ही अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। उसकी ओर से इस सत्र विराट कोहली और फिल सॉल्ट ने ने शानदार बल्लेबाजी कर 614 और 387 रन बनाए। जबकि गेंदबाजी में जोश हेजलवुड ने 11 मैचों में 21 विकेट लिए हैं। डिविलियर्स ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि आरसीबी फाइनल में पहुंची है। आरसीबी की टीम में लंबे समय तक रहे डिविलियर्स ने कहा है कि वह खिताबी मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही उम्मीद जतायी कि इस बार उनकी टीम ही विजेता बनेगी। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार टीम ने इस सत्र की शुरूआत से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, मैंने करीब एक महीने पहले कहा था कि पंजाब और आरसीबी फाइनल में होंगे पर अब लग रहा है कि मुम्बई इंडियंस भी काफी मजबूत नजर आ रही है। इसलिए उससे भी मुकाबला हो सकता है।

साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के पीछे छिपे कई राज खोले हैं। सुदर्शन ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी में इंग्लैंड में खेले गए काउंटी क्रिकेट का बड़ा योगदान है। काउंटी क्रिकेट के कुछ मैच खेलने के बाद उन्हें समझ आया कि बल्लेबाजी में बेसिक्स यानी बुनियादी तकनीक सबसे अहम होती है। इस अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले आत्मविश्वास भी दिया है। आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 15 मैचों में 54.21 की औसत से कुल 759 रन बनाए और वे ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, उनकी इस बेहतरीन फार्म के बावजूद गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस से हार गई और टूनार्मेंट से बाहर हो गई।

त्रिदिवसीय जिला शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

▸ 15 प्रतिभागियों को नगद इनाम के साथ 207 प्रतिभागियों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट प्रदान

एजेंसी

रांची । जिला शतरंज संघ के द्वारा त्रिदिवसीय जिला शतरंज प्रतियोगिता गुरू नानक स्कूल, रांची के सभागार में तीसरे व अंतिम दिन 8 चक्रों का खेल सम्पन्न हो गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. गोपाल पाठक, महानिदेशक, सरला बिरला विश्वविद्यालय, प्रो. सी. जगनाथ, कुलपति, सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के साथ आदित्य मल्होत्रा, सचिव, एजेसीसीआई, संजय पाण्डेस, उपाध्यक्ष, जेएससीए, परमजीत सिंह, सचिव, गुरूनानक स्कूल, हरमित सिंह, सह सचिव, गुरूनानक स्कूल, परमजीत सिंह, स्पोटर्स इंचार्ज, गुरूनानक स्कूल, प्रो. ए.के चटर्जी पूर्व डीन, मिथिलेश पांडेय, डॉ. राशी मालपानी, डॉ. कुणाल सिन्हा उपस्थित थे। रांची जिला शतरंज संघ के सचिव नवजोत सिंह अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, राजीव चटर्जी, रंजीत सिंह, मुख्य ऑरबिरेटर दीपक कुमार, मीडिया प्रभारी संतोष द्विवेदी, सदस्य उमेश अग्रवाल, अशोक कुमार सिंह,मौजूद थे। जिला संघ के सचिव नवजोत अलंग ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में 8 अंकों के साथ विभाश कुमार सिन्हा प्रथम स्थान प्राप्त किये जिन्हें 2500 नगद एवं ट्रॉफी प्राप्त हुआ, 7 अंकों के साथ आदित्य कुमार झा दूसरा स्थान प्राप्त किया जिन्हें 2100 नगद पुरस्कार दिया गया तथा 6.5 अंकों के साथ आदित्य तनमय शर्मा तीसरे स्थान पर रहे जिन्हें 1500 का नगद पुरस्कार दिया गया। यंगेस्ट ब्यॉज का खिताब हेम्ब्रम बंसल और यंगेस्ट गर्ल्स ईशान्वी सिन्हा को ट्राफी से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में विजेताओं को शीर्ष के 15 प्रतिभागियों को नगद इनाम के साथ 207 प्रतिभागियों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। बासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन की ओर से 11,000 रु. का नगद पुरस्कार खिलाड़ियों को दिया गया। संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप वर्मा, सांसद (राज्य सभा) एवं सचिव नवजोत अलंग रूबल ने सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष ने इंग्लैंड में खेली शतकीय पारी

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने इंग्लैंड में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता में विगन क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए केवल 70 गेंदों में ही शतक लगा दिया। आशुतोष कैपिटल्स टीम के आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाने के बाद ही इंग्लैंड चले गये थे। आशुतोष को विगन क्रिकेट क्लब ने लिवरपूल और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए शामिल किया है। यह इंग्लैंड की ईसीबी प्रीमियर लीग का हिस्सा है। अपने पहले ही मैच में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए फॉर्मबी क्रिकेट क्लब के खिलाफ आक्रामक शतक लगाया। आशुतोष ने 73 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। उन्होंने सलामी बल्लेबाज अवीन दलुगोड के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी कर 153 रन बनाये। आशुतोष ने 8 चौके और 6 छक्के लगाए और 136.99 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की पर उनके आउट होते ही टीम फिर से मुश्किल में फंस गयी। आशुतोष शनिवार सुबह ही इंग्लैंड पहुंचे थे। उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में भी पंजाब किंग्स से फिनिशर की भूमिका निभाते हुए 167.25 की स्ट्राइक रेट से 189 रन बनाए थे। इस बार वह दिल्ली कैपिटल्स से उतरे और उन्होंने 29.14 की औसत और 160.62 की स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाए। आशुतोष ने अब तक 14 लिस्ट ए मैच और 44 टी20 मैच खेले हैं पर अभी तक पेशेवर सफेद गेंद क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। उन्होंने 8 फर्स्ट क्लास मैच भी खेले हैं, जिसमें उनका औसत 28.46 और सबसे अधिक स्कोर 123 रन है। वहीं आशुतोष से पहले भारत के ही केएस भरत ने भी डलविच क्रिकेट क्लब की ओर से सरे चैम्पियनशिप में अपने पहले ही मैच में शतक लगाया था।

ईस्ट जोन वुडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन

एजेंसी

रांची । झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के द्वारा ईस्ट जोन वुडबॉल चैंपियनशिप राँची के जयपाल सिंह स्टेडियम में आयोजित किया गया । इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर कांके विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सीपीआई नेता संतोष रजक ने शामिल हुए। एकल पद पर विजय बॉयज वर्ग में प्रथम पुरुस्कार अजित गोप झारखंड , दूसरा पुरस्कार नागेश्वर कुमार बिहार , तृतीय पुरस्कार राजेश गोप झारखंड ने हासिल किया। वहीं गर्ल्स ग्रुप में प्रथम प्याली चैटर्जी प बंगाल दूसरा रानी कुमारी झारखंड तीसरा गायत्री कुमारी बिहार ने जीत हासिल की । मौके पर कांके विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी संतोष रजक जी द्वारा शील्ड और प्रमाणपत्र वितरण किया गया। इस चैंपियनशिप में मुख्य रूप से झारखंड, बिहार, प.बंगाल,छत्तीसगढ, इत्यादि टीम ने भाग लिया संतोष रजक जी द्वारा जीते हुए प्रतिभागियों को बधाई दी गई और जिन्होंने भाग लिया उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दीं गई । मौके पर संतोष रजक ने कहा कि झारखंड में वुडबॉल खेल में काफी संभावना है । इस खेल के मध्यम से युवा अपना भविष्य बना सकते है । झारखंड के खेल विभाग को इस पर ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस आयोजन में वुडबॉल संघ महासचिव और मुख्य कोच गोबिंद झा का अहम योग दान है।

आईपीएल : क्वालिफायर 2 में मुंबई-पंजाब के बीच मुकाबला आज

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के क्वालिफायर 2 में आज पंजाब किंग्स और मुम्बई इंडियस आपस में भिड़ेंगे। यह मैच शाम साढ़े सात बजे से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबले में जो टीम हारेगी उसके लिए यह टूनार्मेंट समाप्त हो जाएगा अर्थात वह टीम बाहर हो जाएगी, जबकि जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी। जहां खिताबी मुकाबले में उस टीम का सामना 3 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ क्वालिफायर 1 में आठ विकेट से हारने के बाद पंजाब किंग्स के पास फाइनल में पहुंचने के लिए दूसरा मौका है। ऐसे में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब की टीम के लिए यह करो या मरो की स्थिति है। अगर टीम को अपने पहले आईपीएल खिताब को जीतना है तो उसे पिछली हार को भुलाते हुए इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी पिछले मैच में बहुत खराब रही थी। टीम 101 रन पर ही सिमट गई थी। ऐसे में उसे मुंबई के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। दूसरी ओर, पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर में गुजरात टाइटन्स को हराकर क्वालिफायर 2 में जगह बनाई है। मुंबई की टीम को आईपीएल प्लेऑफ में खेलने का बहुत अनुभव है। यही बात हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली मुम्बई इंडियंस को इस मुकाबले में थोड़ी बढ़त देती है। टीम के पास जसप्रीत बुमराह जैसा स्टार तेज गेंदबाज है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार याद, तिलक वर्मा किसी भी वक्त अपने खेल से मुम्बई को मैच जितवा सकते हैं। वहीं कप्तान हार्दिक पांड्या गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर समग्र तौर पर देखा जाए तो मुंबई की टीम ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि पंजाब किंग्स की चुनौती को पार पाना उनके लिए भी आसान नहीं होगा। मौजूदा आईपीएल सीजन में मुम्बई की पंजाब से एक बार टक्कर हुई है, जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में क्वालिफायर 2 मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबला होने वाला है।

पंजाब किंग्स की संभावित प्लेइंग-11

प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहाल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, शशांक सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, हरप्रीत बरार, काइल जेमिसन, अर्शदीप सिंह।

मुंबई इंडियंस की संभावित प्लेइंग-11

रोहित शर्मा, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, राज अंगद बावा, मिचेल सेंटनर, रिचर्ड ग्लीसन, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट।

फिलडेलफिया में महिलाओं की 3000 मीटर रेस में अमेरिका की जोसटी एंड्रयू व अन्य प्रतियोगी भाग लेती हुई।

जगन्नाथ रथ यात्रा क्यों निकाली जाती है? इसके पीछे का कारण और महत्व

जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ उनके बड़े भाई बल भद्र और बहन सुभद्रा की पूजा-अर्चना की जाती है। रथ यात्रा के लिए भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के लिए अलग-अलग रथों का निर्माण होता है। चलिए आपको इस लेख में बताते हैं कि जगन्नाथ रथ यात्रा क्यों निकाली जाती है।

हर साल आषाढ़ माह में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का उत्सव बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां लगभग शुरू हो गई हैं और इस उत्सव में शामिल होने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। इस दौरान ओडिशा की पुरी नगरी में बहुत रौनक देखने को मिलती है। जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होना बहुत पुण्यदायी माना गया है। वैदिक पंचांग के अनुसार, हर साल इस यात्रा की शुरुआत आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से होती है और अगले दिन 9 दिनों तक रथ यात्रा के इस उत्सव को मनाया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत कैसे हुई? अगर

आप नहीं जानते, तो चलिए आपको इस लेख में हम बताते हैं जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत कैसे हुई।

2025 में जगन्नाथ यात्रा कब से शुरू होगी?

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषा? माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1.25 मिनट से शुरू होगी। इस तिथि का समापन अगले दिन 27 जून को सुबह 11.19 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल 2025 में जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होगी।

जगन्नाथ रथ यात्रा क्यों निकाली जाती है?

जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बल भद्र और देवी सुभद्रा रथ पर विराजमान होकर नगर का भ्रमण करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से सभी दुख दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। पद्म पुराण के अनुसार, एक बार बहन सुभद्रा ने अपने भाई भगवान जगन्नाथ से शहर को देखने को इच्छा जताई।

इसके बाद आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भगवान जगन्नाथ ने भाई बल भद्र और बहन सुभद्रा को रथ पर विराजमान कर पूरे नगर भ्रमण किया। इसके बाद वे तीनों अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने सात दिन तक वास किया। इसके बाद वह अपने निवास में वापस आए। तभी से इस खास परंपरा हर साल निभाया जाता रहा है।

लड्डू गोपाल के पुराने कपड़ों का क्या करें? फेंकने से पहले जान लें नियम

अक्सर कई हिंदू घरों में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप यानी लड्डू गोपाल को रखा जाता है। लड्डू गोपाल की नियमित पूजा-अर्चना से लेकर घर में लड्डू गोपाल के रखरखाव के भी कुछ नियम बताए गए हैं। अक्सर लड्डू गोपाल के कपड़े पुराने हो जाते हैं या फट जाते हैं। आइए जानें कि लड्डू गोपाल के पुराने कपड़ों का क्या करें।

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप यानी लड्डू गोपाल को घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। आजकल लोग अपने घर में लड्डू गोपाल रखते हैं और उनकी एक छोटे बच्चे की तरह देखभाल करते हैं। लड्डू गोपाल की नियमित पूजा-अर्चना और रखरखाव के भी कुछ नियम बताए गए हैं, जैसे घर में कोई भी खाने-पीने की चीज आती है, तो सबसे पहले उसका भोग लड्डू गोपाल को ही लगाया जाना चाहिए। पूजा नियमों के अलावा, रोजाना लड्डू गोपाल को स्नान करवाना और उनके वस्त्र बदलने के भी बहुत से नियम होते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि लड्डू गोपाल के पुराने कपड़ों का क्या करना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कैसे कपड़े नहीं पहनाने चाहिए?

लड्डू गोपाल को कभी भी फटे-पुराने हों या फिर गंदे कपड़े नहीं पहनाने चाहिए। जिस तरह खंडित मूर्ति की पूजा करने से नकारात्मकता बढ़ती है, ठीक उसी तरह लड्डू गोपाल को ऐसे कपड़े पहनाने से भी नकारात्मकता बढ़ सकती है। गंदे कपड़ों को अच्छे से धोने के बाद दुबारा पहनाया जा सकता है, लेकिन फटे कपड़ों को दुबारा सिलकर पहनाना शुभ नहीं माना जाता है।

लड्डू गोपाल के पुराने कपड़ों का क्या करें?

लड्डू गोपाल के जो वस्त्र फट जाएं या फिर पुराने हो जाएं, तो उन्हें भूलकर भी फेंकना नहीं चाहिए। लड्डू गोपाल के फटे-पुराने या इस्तेमाल न किए जा सकने वाले कपड़ों को फेंकने की गलती करने से बचें। अगर आप कंफ्यूज हैं कि आखिर लड्डू गोपाल की पुरानी ड्रेस या कपड़ों का क्या करें, तो आप नीचे बताए गए तरीके अपना सकते हैं।

पवित्र जल में प्रवाहित करें ङ्क अगर लड्डू गोपाल के कपड़े फट गए या बहुत पुराने हो गए हैं तो आप उन्हें नदी, तालाब या कुंड में प्रवाहित कर दें। धर्म शास्त्रों में भगवान के पुराने कपड़ों को पवित्र जल में प्रवाहित करने का विधान बताया गया है।

जमीन में दबाएं ङ्क लड्डू गोपाल के पुराने कपड़ों को जमीन में 1-2 फीट की गहराई में दबा दें। मान्यता है कि ऐसा करने से मिट्टी को उर्वरता मिलती है और कोई हानि नहीं होती है। आप लड्डू गोपाल के पुराने वस्त्रों को केला, तुलसी या फिर आंवले के पेड़ के नीचे दबाना सकते हैं।

अगर आप चाहें तो लड्डू गोपाल के पुराने कपड़े को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर कुछ सजावटी वस्तु में लगा सकते हैं। लड्डू गोपाल के पुराने वस्त्रों को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए सिलना या फिर से ठीक करना ठीक नहीं माना जाता है। लड्डू गोपाल को कभी भी फटे या पुराने वस्त्र कभी नहीं पहनाने चाहिए। लड्डू गोपाल को हमेशा साफ-सुथरे कपड़े ही पहनाने चाहिए।

राजस्थान में होती है खाटू श्याम के शीश की पूजा, कहां पूजा जाता है उनका धड़?

हारे का सहारा कहे जाने वाले बाबा खाटू श्याम जी का मंदिर राजस्थान के सीकर में स्थित है। यहां बाबा शीश की पूजा होती है, लेकिन क्या आपको पता है कि बाबा के शरीर को कहां पूजा जाता है।

बाबा खाटू श्याम का संबंध महाभारत काल से है। वह महाबली भीम के प्रपौत्र और घटोत्कच के पुत्र थे। इनका नाम बर्बरीक था। कहते हैं कि इन्होंने बचपन में ही माता शक्ति की कठोर उपासना की और उन्हें प्रसन्न करके अभेद्य बाण प्राप्त किए थे, जिसके बाद से ही यह तीन बाण धारी कहलाए। बाबा खाटू श्याम जी का मंदिर राजस्थान के सीकर में स्थित है। भक्त यहां दूर-दूर से इनके दर्शन करने आते हैं। इस मंदिर में बाबा का सिर्फ शीश विराजमान हैं, लेकिन भारत में एक ऐसी जगह भी है जहां उनके शरीर की पूजा भी पूर्ण श्रद्धा भाव से की जाती है। आपके मन में भी ये सावल आ रहा होगा की आखिर बाबा का शरीर कहां है? आइए जानते है।

कहां है बाबा खाटू श्याम का धड़?

बर्बरीक धड़ हरियाणा के हिसार जिले के एक गांव बीड़ में स्थापित किया गया है। वहां इनके धड़ की पूजा की जाती है। कहते है कि यह वहीं स्थान है जहां बर्बरीक ने अपना शीश दान किया था। यह श्याम बाबा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हैं। इस मंदिर में भी भक्त भारी संख्या में दर्शन करने आते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

कैसे हुआ था शीश अलग?

बर्बरीक एक महापराक्रमी योद्धा थे, महाभारत युद्ध के दौरान उन्होंने अपनी माता अहिलावती से युद्ध में शामिल होने की इच्छा प्रकट की। जब माता ने अनुमति दे दी, तो उन्होंने माता से पूछा की मैं युद्ध में किसका साथ दूं? तब उनकी माता ने पांडवों के पक्ष को कमजोर मानते हुए बर्बरीक से कहा की जो हार रहा हो, तुम उसी का सहारा बनो।

माता को वचन देकर बर्बरीक युद्ध भूमि की ओर निकल पड़े। भगवान श्रीकृष्ण बर्बरीक शक्तियों और उनकी प्रतिज्ञा से परिचित थे और वह यह भी जानते थे कि अगर कौरवों को हराता देखकर बर्बरीक उनका साथ देते तब पांडवों का जीतना मुश्किल हो जाता।

बर्बरीक ने किया शीश दान

भगवान श्रीकृष्ण को जब इस बात का पता चला कि बर्बरीक इस युद्ध में भाग लेने आ रहा है तो उन्हें चिंता हुई, क्योंकि वह जानते थे कि बर्बरीक उस पक्ष का साथ देगा, जो युद्ध में हार रहा होगा। तब श्री कृष्ण ने अपनी कूटनीति से बर्बरीक से शीश दान में मांग लिया और बर्बरीक ने तलवार निकालकर श्री कृष्ण को अपना सिर अर्पण कर दिया। बर्बरीक के इस बलिदान को देखकर श्री कृष्ण ने बर्बरीक को कलयुग में स्वयं के नाम से पूजे जाने का वर दिया।

ज्ञान रूपी दीपक

एक बार एक आदमी बड़े ही धार्मिक भाव से रोज संध्या को दीपक जला कर अपने घर के आगे रखने लगा। लेकिन पड़ोस के लोग उसके दिए को उठा कर ले जाते या कुछ लोग तो उसे बुझा भी देते थे।

उसके अपने ही उसे कहने लगे कि क्या तू ज्यादा प्रकाश करना जानता है? हमने भी अंधेरे बहुत

बोध कथा

देखे हैं, हमें तो किसी ने प्रकाश नहीं दिखाया आज तक। तुम अपने आपको ज्यादा साधन संपन्न समझते हो क्या?

लेकिन दीपक जलाने वाला अपने उसी नियम से रोजाना दीपक जलाता रहा। ना तो वह प्रकाश करने की कोई घोषणा करता था और ना ही अपने दीपक का कोई प्रचार करता था। क्योंकि उसे यह मंजूर नहीं था कि उसके

ही घर के सामने कोई भी अंधेरे में ठोकर खाए। इसलिए वह निरंतर ही प्रकाश का दीया प्रकाशित करता रहा।

आखिर धीरे-धीरे लोगों को बात समझ में आनी शुरु हो गई। अंधेरे रास्ते पर राहगीरों को दूर से ही प्रकाश में दिखाई पड़ने लगा।

वही प्रकाश राहगीरों को कहने लगा कि आ जाओ, यह रास्ता सुगम है। यहां प्रकाश है, यहां अंधेरा नहीं है; रास्ते की ठोकरें साफ नजर आती हैं।

जब राहगीर प्रकाश के पास आते, तो वह कहता कि देख कर चलना वहां सामने पत्थर है। इधर पीछे की गली कहीं भी नहीं जाती है, वहां पीछे गली समाप्त हो जाती है। यहां से आगे कोई रास्ता नहीं है। धीरे-धीरे प्रकाश में साफ ही नजर आने लगा कि मार्ग किधर है और किधर नहीं है।

कुछ समय पाकर उस प्रकाश के प्रति गांव के लोगों में आदर भरना शुरु हो गया। फिर सभी लोगों ने अपने-अपने घरों के आगे दीपक जलाने शुरू कर दिए। फिर उस नगर कमेटी के प्रबंधकों ने भी नगर में प्रकाश की व्यवस्था को सुचारु करने का काम शुरू कर दिया था। फिर सारे नगर में ही प्रकाश फैल गया और धीरे-धीरे पूरी दुनिया ही प्रकाशित होने लगी।

धरती से स्वर्ग जाने के लिए रावण ने बनाई थी सीढ़ियां लेकिन नहीं कर पाया पूरी, आज भी मौजूद सबूत

पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ने धरती से स्वर्ग तक पत्थरों और पर्वतों की सहायता से एक सीढ़ीनुमा संरचना बनाने की कोशिश की, जिससे वह अमरता और ईश्वरत्व को प्राप्त कर सके। यह कार्य इतना विशाल और महत्वाकांक्षी था कि देवता भी चिंतित हो उठे। मगर, भगवान शिव से रावण को वरदान दिया था कि अगर वह एक दिन में पांच सीढ़ियां बना लेगा तो वह अमर हो जाएगा। मगर, सीढ़ियां पूरी होने से पहले ही उसे नींद आ गई और वह इस कार्य का पूरा ना कर सका।

भारतीय पौराणिक कथाएं केवल धार्मिक विश्वासों का प्रतीक नहीं, बल्कि एक अद्भुत सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। रामायण का रावण, जिसे हम अक्सर एक क्रूर राक्षस, विद्वान ब्राह्मण और शिव भक्त के रूप में जानते हैं, उसकी कई कहानियां ऐसी हैं जो आज भी रहस्य और कौतूहल का विषय बनी हुई हैं। इन्हीं में से एक है स्वर्ग की सीढ़ियां बनाने का उसका प्रयास, जिसे रावण ने अपनी शक्ति और घमंड के प्रदर्शन के रूप में शुरू किया था। माना जाता है कि यह रहस्यमयी प्रयास आज भी दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में देखने को मिलता है। रावण केवल एक योद्धा या राजा नहीं था बल्कि वह एक महान तपस्वी, वेदों का ज्ञाता और परम शिवभक्त भी था।

अपने जीवन में उसने अनेक बार तपस्या द्वारा देवताओं से वरदान प्राप्त किए। किंवदंतियों के अनुसार, एक बार रावण ने यह ठान लिया कि वह स्वर्ग (इंद्रलोक) तक सीढ़ियां बनाएगा, ताकि वह देवताओं के साम्राज्य तक अपनी पहुंच सके। उसका उद्देश्य अपने सामर्थ्य का प्रदर्शन करना भी था।

भगवान शिव ने दिया था वरदान

पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ने धरती से स्वर्ग तक पत्थरों और पर्वतों की सहायता से एक सीढ़ीनुमा संरचना बनाने की कोशिश की, जिससे वह अमरता और ईश्वरत्व को प्राप्त कर सके। यह कार्य इतना विशाल और महत्वाकांक्षी था कि देवता भी चिंतित हो उठे। मगर, भगवान शिव से रावण को वरदान दिया था कि अगर वह एक दिन में पांच सीढ़ियां बना लेगा तो वह अमर हो जाएगा। मगर, सीढ़ियां पूरी होने से पहले ही उसे नींद आ गई और वह इस कार्य का पूरा ना कर सका।

इसलिए नहीं बना पाया स्वर्ग की सीढियां

रावण ने पहली सीढ़ी हरिद्वार में बनाई था, जिसे आज के समय में हर की पौड़ी कहा जाता हैं। दूसरी सीढ़ी हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में पौड़ीवाला में बनाई, जहां आज शिव मंदिर स्थापित है। रावण ने तीसरी सीढ़ी चुड़ेश्वर महादेव और चौथी किन्नर कैलाश में बनाई थी। रावण को चौथी सीढ़ी बनाते समय नींद आ गई और जब वह जागा तो सुबह हो गई थी। इसलिए वह अमर नहीं हो पाया।

आज भी मौजूद हैं अवशेष?

कुछ किंवदंतियों के अनुसार, तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में स्थित त्रिकूट पर्वत या त्रिकूटमलाई को रावण द्वारा बनाई गई स्वर्ग की साढियां कहा जाता है। तमिलनाडु में मौजूद कुछ पहाड़ी संरचनाएं, विशेषकर त्रिकूट पर्वत, में ऐसे पत्थर और पथरीले रास्ते मिलते हैं जो सीढ़ियों जैसे लगते हैं। हालांकि, इन पर कोई आधिकारिक पुरातात्विक पुष्टि नहीं है कि ये रावण द्वारा बनाए गए थे, फिर भी स्थानीय लोककथाएं इन स्थानों को पौराणिक महत्व प्रदान करती हैं।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन इन चीजों का करें दान, जीवन में नहीं होगी धन-धान्य की कमी!

हिन्दू धर्म में मासिक दुर्गाष्टमी पर्व का बहुत अधिक महत्व होता है। मासिक दुर्गाष्टमी हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। यह दिन मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित होता है। इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से मां दुर्गा अपने भक्तों पर असीम कृपा बरसाती हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से जीवन के सभी कष्ट और बाधाएं दूर होती हैं। मां दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी पूजा से व्यक्ति को शत्रुओं और नकारात्मक शक्तियों पर विजय प्राप्त होती है। इस दिन व्रत रखने और पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि आती है, धन-धान्य की वृद्धि होती है और पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहती है।

ऐसी मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से मां दुर्गा की आराधना करते हैं, उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। अविवाहित लड़कियों को शीघ्र विवाह का आशीर्वाद मिलता है, और विवाहित महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा आरोग्य प्रदाता भी हैं। उनकी पूजा से रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य उत्तम रहता है।

द्रिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 2 जून दिन सोमवार को रात 8 बजकर 34 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 3 जून दिन मंगलवार को रात 9 बजकर 56 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, मासिक दुर्गा अष्टमी का व्रत मंगलवार, 3 जून को ही रखा जाएगा और पारण अगले दिन 4 जून दिन बुधवार को किया जाएगा।

मासिक दुर्गाष्टमी पर इन चीजों का करें दान

घी: घी को शुद्धता, पवित्रता और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घी का दान करने से कुंडली में सूर्य, चंद्र, मंगल और बृहस्पति जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं, जिससे जीवन में समृद्धि आती है। शुद्ध गाय का घी किसी मंदिर में दान करें, या किसी गरीब परिवार को दें ताकि वे उससे भोजन बना सकें।

जौ: जौ को सृष्टि का प्रतीक और अत्यंत पवित्र अनाज माना जाता है। इसे देवी-देवताओं को चढ़ाने से उनकी कृपा मिलती है। जौ का दान मंदिर में या किसी ब्राह्मण को करें।

लाल वस्त्र या लाल चुनरी: मां दुर्गा को लाल रंग अत्यंत प्रिय है। लाल वस्त्र शक्ति, ऊर्जा और शुभता का प्रतीक हैं। लाल वस्त्रों का दान करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। किसी कन्या को, सुहागिन महिला को या मंदिर में मां दुर्गा को अर्पित करने के लिए दान करें।

श्रृंगार सामग्री: सुहागिन महिलाएं मां दुर्गा को लाल चूड़ियां, सिंदूर, बिंदी, मेहंदी, आलता, गजरा जैसी श्रृंगार सामग्री अर्पित कर सकती हैं। पूजा के बाद यह सामग्री किसी सुहागिन महिला को दान करें। ऐसा करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और घर में लक्ष्मी का वास होता है।

मीठा भोजन (खीर या हलवा): मां दुर्गा को मीठा भोजन प्रिय है। इस दिन आटे या सूजी के हलवे का भोग लगाकर कन्याओं या गरीबों को खिलाना बहुत शुभ होता हैत। इससे मां दुर्गा प्रसन्न होकर धन-धान्य की वृद्धि करती हैं। घर पर बना शुद्ध हलवा या खीर कन्याओं को खिलाएं या गरीबों में वितरित करें।

अन्न दान: किसी भी प्रकार का अन्न दान, विशेषकर चावल या गेहूं, सबसे बड़ा दान माना जाता है। इससे कभी भी घर में अन्न की कमी नहीं होती है। जरूरतमंदों को अनाज का दान करें।

हरी चीजें (कन्याओं को): यदि व्यापार में रुकावटें आ रही हों या धन के साधन नहीं बन रहे हों, तो मासिक दुर्गाष्टमी पर छोटी कन्याओं को हरे रंग के वस्त्र या 8 हरे रुमाल दान करना बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे ग्रहों के शुभ परिणाम मिलते हैं। छोटी कन्याओं को हरे वस्त्र, चूड़ियां या रुमाल दें।

मासिक दुर्गाष्टमी पर दान का महत्व

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन हमेशा पूर्ण श्रद्धा और निस्वार्थ भाव से दान करें। दिखावे के लिए किया गया दान फलदायी नहीं होता है। दान ऐसे व्यक्ति को करें जिसे वास्तव में उसकी आवश्यकता हो। दान करते समय मन शांत और सकारात्मक रखें। मासिक दुर्गाष्टमी के दिन इन चीजों का दान करने से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है, जीवन के कष्ट दूर होते हैं और घर में सुख-समृद्धि तथा धन-धान्य की कमी नहीं होती है और जीवन में आने वाली परेशानियों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है।

वापसी पर बोले फरदीन - दर्शकों और निर्माताओं के प्यार के लिए आभारी हूं

अभिनेता फरदीन खान अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे। हाउसफुल उनकी चौथी फिल्म है। खान ने एक साल में तीन अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर पर्दे पर वापसी के बारे में बात की। उन्होंने वापसी और शानदार किरदार के लिए फिल्म निर्माताओं और दर्शकों का आभार जताया। फरदीन मंगलवार को मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए, जहां मीडिया ने उनसे निर्देशकों के साथ उनकी पिछली तीन फिल्मों में उनके लगातार प्रदर्शन के बारे में पूछा। वहीं, 'हाउसफुल 5' चौथे नंबर पर है। अभिनेता ने ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मीडिया से कहा, जब मैं वापस आने के बारे में सोचता हूं तो ऐसा लगता है कि मैं दूसरी बार आया हूं। अपने को-स्टार्स के साथ प्यार और सम्मान के साथ मिलने और फिर से काम करने के लिए आभारी और उत्साहित हूं।

12 साल की अवधि के बाद वापसी करना कुछ ऐसा नहीं है जिसकी आप योजना बनाएं। मैंने बस इसके लिए तैयारी की है। मुझे बस इतना पता था, यह वही है जो मैं करना जानता हूं। मुझे सेट पर होने की याद आती है। मुझे कहानियां सुनाने का हिस्सा बनने की याद आती है। मुझे उन लोगों के बीच होने वाले जुड़ाव की याद आती है जिनके साथ आप गहरे रूप से लंबे समय तक काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए हाउसफुल 5 चौथी रिलीज होगी और यह सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रैंचाइज भी है। हिंदी फिल्म इतिहास की सबसे सफल कॉमेडी फ्रैंचाइज होगी जो सभी को खुशी और प्यार देने के लिए तैयार है। दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। मेरे लिए इसके जरिए वापसी एक जश्न की तरह है। फरदीन ने कहा, मैं दर्शकों का और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया, जिन्होंने सोचा कि मेरे पास कुछ दौर बाकी हैं, जिन्होंने मुझे इस तरह की प्रतिभा के साथ काम करने का मौका दिया और विशेष रूप से साजिद नाडियाडवाला का आभारी हूं।

साउथ एक्टर ने मेरी हाइट को लेकर बहुत बुली किया

अपनी पहली ही फिल्म मकड़ी के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस श्वेता बसु प्रसाद बॉलीवुड की भेड़चाल से इतर अपनी रफ्तार से लगातार आगे बढ़ रही हैं। अपनी पिछले वेब शो ऊप्स अब क्या के लिए वाहवाही बटोरने वाली श्वेता अब चर्चित सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में वकील लेखा अगस्त्या के रूप में दोबारा नजर आ रही हैं।

आप काम के अलावा बॉलिवुड की चमक-दमक से दूर रहती हैं। सोशल मीडिया या लाइमलाइट में बने रहने की कवायद करती नहीं दिखतीं। इसके पीछे क्या वजह है?

मुझे इन चीजों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। मेरा बस चले तो कल इंस्टाग्राम डिलीट कर दूं। मुझे इंस्टाग्राम इसलिए पंसद है, क्योंकि वहां मैं अपने काम की चीजें शेयर कर पाती हूं। साथ ही, कुछ लोग बहुत छोटी डॉक्यूमेंट्री, विडियोज, फोटोज, अच्छी आदतें, खाने की चीजें वगैरह शेयर करते हैं, जो देखना मुझे अच्छा लगता है। लाइमलाइट में रहने या फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए उसका इस्तेमाल करना मेरा लक्ष्य कभी नहीं रहा, ना हो पाएगा। ऐक्टिंग मेरी लाइफ का बहुत अहम हिस्सा है, मेरी जिंदगी नहीं है। पैकअप के बाद मैं काम वैन में छोड़कर जाती हूं। दोस्तों के बीच भी मैं काम की बात नहीं करती कि कौन सा ऑडिशन दिया, क्या आने वाला है। हालांकि, मुझे सिनेमा बहुत पसंद है। मैं हर हफ्ते थिएटर में दो फिल्में देखती हूं। हर दिन कुछ ना कुछ देखती हूं, पर वो जिंदगी का हिस्सा है। लाइफ में और बहुत कुछ करने को है। मैं फैमिली के साथ वक्त बिताती हूं, सितार बजाती हूं, खाना बनाती हूं या कुछ नहीं करती हूं।

लेकिन इस कॉम्पिटिशन वाली इंडस्ट्री में, जहां सब आगे निकलना चाहते हैं, यह ठहराव या डिटैचमेंट कैसे हासिल किया?

मैं आपको एक वाकया बताती हूं। मैं 12 साल की थी, जब मुझे मकड़ी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था और उसी हफ्ते मुझे स्कूल में भाषण प्रतियोगिता के लिए सेकंड प्राइज मिला था। मेरे पैरंट्स ने दोनों सर्टिफिकेट को एक ही जगह रखा और बोला कि दोनों महत्वपूर्ण हैं। तब मुझे लगातार गिफ्ट मिल रहे थे। टीचर, प्रिंसिपल सबने बड़ी तारीफ की, मगर घर पर मेरा माहौल इतना ज्यादा सामान्य था कि मेरे लिए वे चीजें बहुत साधारण बन गई थी, क्योंकि मेरे पैरंट्स ने उस लाइमलाइट से मुझे तभी डिटैच कर दिया था। उस चीज को साधारण बना दिया था। मैंने उस नैशनल अवॉर्ड की अहमियत बहुत बाद में समझी। अगर उस वक्त मेरे पैरंट्स ने ऐसा ना किया होता, तो शायद ऐसा ना होता।

शो में लेखा और माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी का किरदार) एक-दूसरे के बैकग्राउंड को लेकर जज करते हैं। समाज में भी लोगों को रंग-रूप, कद-काठी हर चीज के लिए जज किया जाता है। क्या आप कभी किसी जजमेंट का शिकार हुई हैं?

अमूमन तो नहीं, मगर मैंने बहुत पहले साउथ की एक फिल्म थी, वहां पर मुझे मेरी हाइट को लेकर बहुत बुली किया गया था। जबकि, ऐसा नहीं था कि मेरे कद की वजह से सीन में कोई दिक्कत आ रही थी। हमारे डीओपी बहुत उम्दा टेक्निशियन थे, सब सही जा रहा था, लेकिन फिल्म का हीरो और कुछ असिस्टेंट डायरेक्टर्स मिलकर पता नहीं क्यों मुझे परेशान कर रहे थे। मुझे लगता है कि उनको मजे आ रहे थे।

सीरीज में आपके किरदार लेखा के प्रिविलेज परिवार से होने पर काफी जोर रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में भी प्रिविलेज और नेपोटिजम जैसे विषय खूब चर्चा में रहे हैं। यहां एक आउटसाइडर के तौर पर आपका क्या अनुभव रहा है?

मेरा तो परिवार है इंडस्ट्री। मैं तो यहीं बड़ी हुई हूं। मेरे बहुत सारे दोस्त इंडस्ट्री से हैं, जिनके परिवार, पूर्वज इंडस्ट्री के हैं। मेरे बहुत सारे दोस्त ऐसे भी हैं, जो सीए, डॉक्टर, इलस्ट्रेटर अलग-अलग लोग हैं। मेरा मानना है कि हर इंसान के बैकग्राउंड के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। जैसे, लेखा की ही बात करूं तो वह बेशक प्रिविलेज क्लास से है। उसके पिता नामी वकील हैं, पर उसने उस प्रिविलेज का फायदा उठाकर बड़े केसेज नहीं लिए। उसने तय किया कि पब्लिक प्रॉसिक्यूटर बनेगी। साधारण केसेज लेगी। अपनी प्रतिभा दिखाएगी, ना कि अपने नामी वकील पिता के नाम का फायदा उठाएगी। लेखा का यह आत्मसम्मान मुझे बहुत पसंद है। वह अपने दिमाग से सोचती है, बहुत मेहनती है। इंडस्ट्री में भी ऐसे लोग हैं, तो मेरा इंडस्ट्री में कोई खराब अनुभव नहीं रहा है। इसकी वजह शायद यह भी है कि मैंने बचपन से काम शुरू कर दिया था, तो ज्यादातर लोग मुझे अपने घर का बच्चा मानते हैं।

'ब्लैक वारंट' के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट, जेलर बनकर लौटे जहान कपूर

अगर आपको इस साल की शुरुआत में आया नेटफ्लिक्स का शो 'ब्लैक वारंट' पसंद आया था, तो ये खबर आपके लिए है। नेटफ्लिक्स ने अपने इस सुपरहिट शो के दूसरे सीजन की घोषणा कर दी है। जिसके बाद ये तय है कि एक बार फिर तिहाड़ जेल की कहानी देखने को मिलेगी।

नेटफ्लिक्स ने किया एलान

नेटफ्लिक्स ने अपने हिट शो 'ब्लैक वारंट' के दूसरे सीजन की घोषणा कर दी है। नेटफ्लिक्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी गई। पोस्ट में जहान कपूर का जेलर के किरदार में पोस्टर जारी किया गया है। जिस पर लिखा गया ब्लैक वारंट सीजन 2 कमिंग सून। इस पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'सीजन 2 में आपका स्वागत है, जेलर साहब। ब्लैक वारंट सीजन 2 जल्द ही आ रहा है, केवल नेटफ्लिक्स पर।'

जेलर के किरदार में लौटे जहान कपूर

सीजन 2 के जरिए जहान कपूर एक बार फिर तिहाड़ के जेलर के रूप में लौट रहे हैं। हालांकि, देखना ये होगा कि क्या जहान इस बार भी तिहाड़ के जेलर रहे सुनील गुप्ता के किरदार में ही नजर आएंगे। या फिर उनका किरदार बदल जाएगा।

'ब्लैक वारंट- कन्फेशन्स ऑफ ए तिहाड़ जेलर पर आधारित था पहला सीजन

इस साल की शुरुआत में आए 'ब्लैक वारंट' के पहले सीजन की बात करें तो इसकी कहानी तिहाड़ जेल के जेलर रहे सुनील गुप्ता की किताब 'ब्लैक वारंट- कन्फेशन्स ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित थी। जिसमें सुनील गुप्ता ने तिहाड़ जेल के अपने अनुभवों को साझा किया है। अब देखना ये है कि सीजन 2 की कहानी भी असल घटना पर आधारित होगी या उससे प्रभावित होगी या फिर ये पूरी तरह से एक फिक्शनल कहानी होगी।

नीरज घेवान की फिल्म का हिस्सा बनना एक एक्टर के लिए गर्व की बात है

जान्हवी कपूर अपने करियर में अब संजीदा किरदारों को निभाने की कोशिश में लगी हुई। हाल ही में फिल्म 'होमबाउंड' में भी उनके किरदार को कान फिल्म फेस्टिवल में सराहा गया। इसका श्रेय जान्हवी फिल्म के निर्देशक नीरज घेवान को देती हैं। वह आगे भी इस निर्देशक के साथ काम करने की इच्छा रखती हैं। हालिया बातचीत में जान्हवी कहती हैं, 'फिल्म 'होमबाउंड' की शूटिंग खत्म करने के बाद मैंने नीरज घेवान सर को मैसेज भेजा और कहा कि मुझे कोई दिक्कत नहीं है अगर आपकी अगली फिल्म में बैकग्राउंड में एक पेड़ का रोल निभाने को मिले। मुझे बस उनके साथ काम करना है।' जान्हवी का मानना है कि नीरज घेवान की फिल्म का हिस्सा बनना एक एक्टर के लिए गर्व की बात है। जान्हवी कपूर की अगली फिल्म 'परम सुंदरी' है। इस फिल्म में वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' नाम की फिल्म भी जान्हवी कर रही हैं। इसके अलावा अगले साल रिलीज होने वाली एक साउथ फिल्म 'पेद्दी' में भी जाह्नवी अभिनय करती नजर आएंगी।

पुलकित सम्राट ने 'राहु केतु' की शूटिंग की दी जानकारी

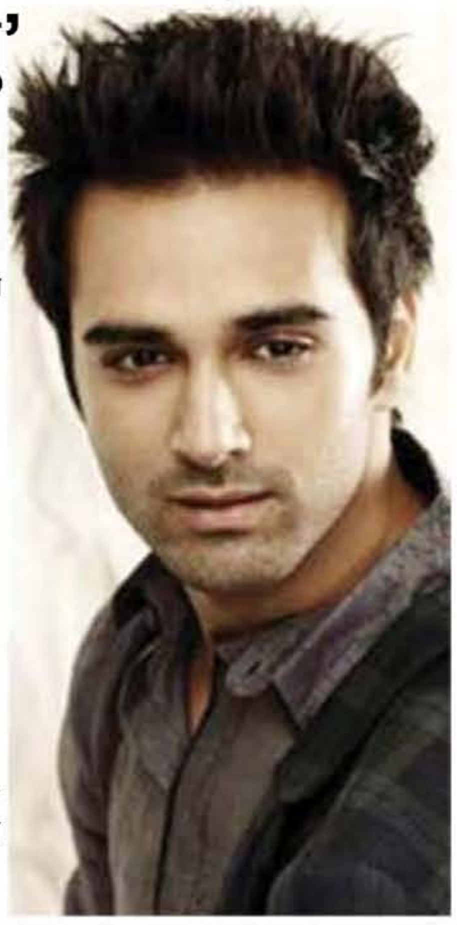

पुलकित सम्राट ने सोशल मीडिया पर एक्टर वरुण शर्मा और शालिनी पांडे के साथ कई तस्वीरें शेयर की हैं। यह सभी तस्वीरें फिल्म राहु केतु के सेट की हैं। इन तस्वीरों के साथ पुलकित ने फिल्म के शूटिंग शैड्यूल की जानकारी भी शेयर की हैं।

कहां हो रही है फिल्म की शूटिंग

पुलकित ने इंस्टाग्राम पर फिल्म राहु केतु के सेट से कई तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वहीं एक्टर ने इन तस्वीरों के साथ फिल्म की शूटिंग की जानकारी देते हुए कैप्शन में लिखा, कसोल का शेड्यूल जारी, राहु केतु अब एक्शन में। पुलकित ने जैसे ही फिल्म राहु केतु के सेट से तस्वीरें शेयर कीं सेलेब्स ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं। फिल्म फुकरे में पुलकित की को-स्टार रहीं ऋचा चड्ढा ने लिखा, प्यारा कृपया आनंद लें और भाई के चुचों को प्यार दें।, पुलकित की इस पोस्ट पर अपारशक्ति खुराना ने लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। वहीं एक्टर पीयूष मिश्रा ने काले दिव वाला इमोजी बनाया है। पुलकित की इस पोस्ट पर सेलेब्स के अलावा फैंस ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, शुभकामनाएँ पुलकित भैया, एक और फैन ने लिखा, हॉट पुलकित, एक और फैन ने लिखा, इंस्टाग्राम का सबसे हैंडसम बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट, वहीं कई पुलकित के फैंस ने फायर और लाल दिल वाले इमोजी बरसाए हैं।

राहु केतु को विपुल विग निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे ने अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म 'राहु केतु' के अलावा पुलकित सम्राट 'ग्लोरी' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे। फिल्म ग्लोरी की शूटिंग कुछ दिन पहले ही खत्म हुई है, जिसकी जानकारी खुद पुलकित ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कर दी थी।

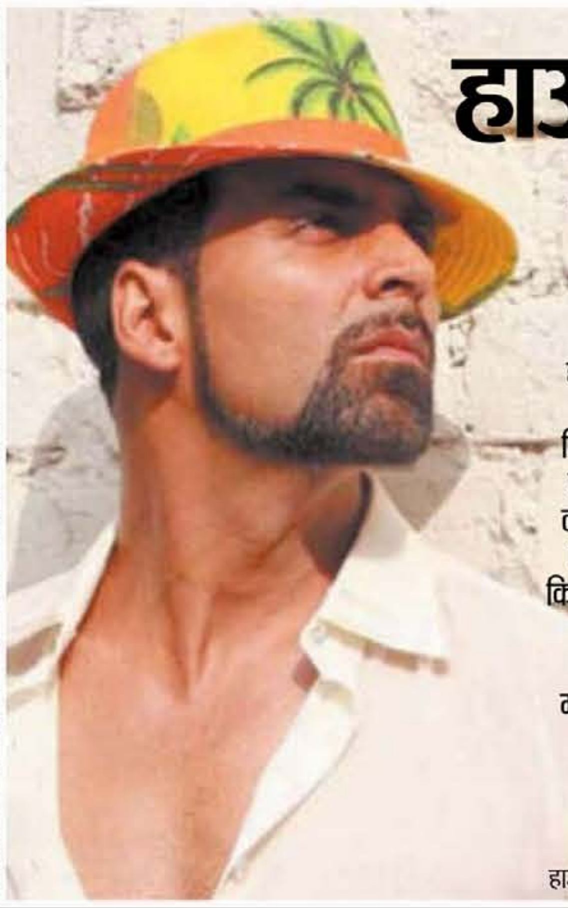

हाउसफुल 5 के इवेंट में फीस के सवाल पर भड़के अक्षय

आज अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 का ट्रेलर जारी हो गया है। सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर को खूब सराहा गया है। हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय कुमार से एक व्यक्ति ने पूछा कि उन्होंने कितनी फीस ली। इस पर अक्षय कुमार भड़क गए। हालांकि उनके जवाब को लोगों ने मजाकिया अंदाज में लिया और सब हंस दिए।

अक्षय कुमार ने दिया मजेदार जवाब

हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अक्षय कुमार से किसी ने पूछा हाउसफुल 5 के लिए उन्होंने कितना चार्ज किया?

इस पर उन्होंने जवाब दिया अगर मैंने पैसे लिए होंगे तो मैं तुझे क्यों बताऊंगा? तू हमारा भतीजा लगता है? मैंने पैसे लिए, अच्छे खासे लिए। फिल्म बनी, बहुत अच्छे खासे बजट में बनी। बहुत मजा आया। आज खुशी का दिन है तूने मेरे यहां रेड डालना है? अक्षय के इस जवाब ने लोगों को हंसा दिया।

हाउसफुल 5 के बारे में

ख्याल रहे कि हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला, वर्दा नाडियाडवाला और फिरुजी खान हैं। हाउसफुल 5 कॉमेडी फ्रैंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन हैं। ये लोग हाउसफुल 3 के बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं।

फिल्म में हैं ये कलाकार

इस फिल्म में संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे, निकितिन धीर और जॉनी लीवर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाउसफुल 5 अगले महीने यानी 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विराट-अवनीत मामले पर बोलीं रकुल प्रीत सिंह

कुछ हफ्ते पहले भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने अभिनेत्री अवनीत कौर की इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लाइक कर दी थी। इसके बाद इस मामले की खूब चर्चा हुई थी। हालांकि, इस मामले पर विराट ने सफाई दी थी कि ये इंस्टाग्राम में किसी ग्लिच के कारण ऐसा हुआ था। इस विवाद के चलते अवनीत कौर के इंस्टाग्राम पर लगभग 2 मिलयन फॉलोअर्स बढ़ गए थे, जिसे कई मीडिया रिपोर्ट्स ने दावा किया था। अब इस मामले पर बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। एक्ट्रेस ने अपने आपको विराट और अनुष्का का फैन बताते हुए कहा कि वह बहुत दुखद घटना थी।

उन्होंने कहा कि आज लोग इतने खाली हैं कि वो कुछ भी कर सकते हैं। लोगों ने ये तक पता लगा लिया कि अवनीत कौर के इंस्टाग्राम पर दो मिलयन फॉलोअर्स बढ़ें हैं। आगे उन्होंने कहा कि कोई किसी की फोटो लाइक करें या ना करें, इसका हम पर प्रभाव ही नहीं होना चाहिए। इसके अलावा अभिनेत्री ने कहा कि कभी-कभी इंस्टाग्राम पर गलती से आपके दोस्त भी अनफॉलो हो जाते हैं। मतलब कोई सेलेब्रिटी है, तो आप उनकी खबर बना देंगे, ये उनके साथ नुकसान है।

अंत में रकुल प्रीत सिंह ने कहा कि विराट जैसा व्यक्तित्व होने पर आप नजर में आ जाते हैं कि आप किसे फॉलो कर रहें या किसे नहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि आज के दौर में लोग ज्यादातर समय सोशल मीडिया पर ही बिता रहे हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी व प्रभावी बनाएगा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव': डॉ.महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' अभियान के अंतर्गत नोएडा स्टेडियम के गेट नम्बर-5 पर एक विशेष वॉल पेंटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा तथा भारतीय जनता पार्टी नोएडा के जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने किया।

दीवार लेखन के बाद डॉ. महेश शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' न केवल समय और संसाधनों की बचत करेगा, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाएगा। यह लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि इस अभियान को घर-घर तक पहुँचाएं और जनता को इस महत्वाकांक्षी विचार के लाभों से अवगत कराएं। महेश चौहान ने कहा कि यह अभियान आगामी दिनों में भी नोएडा महानगर के अन्य क्षेत्रों में जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जा सके।

इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक अमित त्यागी, सह संयोजक चमन अवाना, पप्पू प्रधान, एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान संयोजक सुचित्रा पाठक कक्कड़, सह संयोजक भूपेश चौधरी, अर्पित मिश्रा, गणेश जाटव, डिंपल यादव, पूनम सिंह, सुंदर सिंह राणा, मनोज चौहान, रामनिवास यादव, अर्पित मिश्रा, विपुल शर्मा, राहुल शर्मा, देशबंधु कुशवाहा, अशोक मिश्रा, गोपाल गौड़, नरेंद्र जोगी, प्रवीण चौहान, मोनू जोगी, अतुल त्यागी इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

15 जून तक चलेगा अवैध वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। परिवहन विभाग गौतम बुद्ध नगर द्वारा 1 जून से 15 जून 2025 तक बिना परमिट व्यवसायिक कार्य करने वाले निजी वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया गया है।

एआरटीओ डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत स्कूलों में संचालित निजी वैन, ओला, उबर, जोमैटो आदि में उपयोग होने वाली निजी मोटरसाइकिलें और अन्य वाहन , सरकारी और अर्ध-सरकारी विभागों में किराए पर अनुबंधित गैर-व्यावसायिक वाहनों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अभियान को प्रभावी बनाने हेतु जनपद गौतमबुद्ध नगर में पांच प्रवर्तन टीमें गठित की गई हैं, जिनमें तीन सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) और दो यात्रीकर अधिकारी (पीटीओ) शामिल हैं। ये टीमें डॉ. उदित नारायण पांडेय (एआरटीओ), अभिषेक कनौजिया (एआरटीओ), विपिन चौधरी (एआरटीओ), राजेश मोहन (पीटीओ) के.जी. संजय (पीटीओ) के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों के परमिट सहित समस्त प्रपत्रों की गहनता से जांच करेगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। मोटर वाहन अधिनियम मे बिना रजिस्ट्रेशन पांच हजार रुपए, बिना परमिट दस हजार रुपए प्रशमन शुल्क निर्धारित है ।

इस अभियान के तहत बिना परमिट व्यावसायिक कार्य करने पर 3 हल्के यात्री वाहन व 3 मोटर साइकिलों सहित 15 वाहन निरुद्ध किये गये। यह अभियान बादलपुर, नालेज पार्क, सेक्टर 62, परी चौक मे चलाया गया।

सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए चुनाव

अनिल प्रकाश बने अध्यक्ष व संजीव महासचिव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए चुनाव में अनिल प्रकाश रन्होत्रा को सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए मैनेजिंग कमेटी का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया। वहीं संजीव कुमार को निर्विरोध महासचिव व एमजी अग्रवाल को निर्विरोध कोषाध्यक्ष घोषित किया गया।

सेक्टर-51 नोएडा आरडब्लूए के परिणाम बताते हुए चुनाव अधिकारी अतुल मित्तल ने 17 में से 16 पदों पर चुनावी रिजल्ट/परिणामो की घोषणा की। सेक्टर 51 मैनेजिंग कमेटी में बायोलॉजी के हिसाब से 17 पदों पर चुनाव होना था जिसमें 16 उम्मीदवारों ने विभिन्न पदों पर अपनी दावेदारी हेतु नॉमिनेशन फॉर्म भरकर जमा किया।

किसी भी पद पर विपक्ष की ओर से कोई पर्चा दाखिल नहीं हुआ। 17 में से 16 पदों पर एक-एक पर्चा ही रिसीव हुआ। अत: सभी 16 दावेदारों को विजयी घोषित किया गया। एक पद एग्जीक्यूटिव मेंबर ई ब्लॉक पर किसी भी निवासी ने पर्चा नहीं भरा।

विशाल नि:शुल्क योग शिविर का समापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मॉडर्न स्कूल, डेल्टा-1, ग्रेटर नोएडा में आयोजित हुए विशाल नि:शुल्क योग शिविर का भव्य समापन हो गया। महर्षि पतंजलि इंटरनेशनल योग विद्यापीठ के संस्थापक योगऋषि स्वामी कर्मवीर महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस शिविर में अंतिम दिन योग, प्राणायाम और ध्यान मुद्राओं का अभ्यास कराया गया, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों ने संकल्प यज्ञ में भाग लिया।

यज्ञ में मंत्रोच्चार के बीच सभी शिविरार्थियों ने आहुति देकर यह संकल्प लिया कि वे योग, प्राणायाम, ध्यान और सात्विक जीवनशैली को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे। स्वामी कर्मवीर ने कहा कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्रवासियों की उपस्थिति और उत्साह यह दिखाता है कि यहां योग के प्रति गहरी रुचि है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि शिविर के बाद भी इस दिनचर्या को जारी रखें और परिवारों में इस महान परंपरा को आगे बढ़ाएं।

आयोजन समिति के सतेंद्र नागर आर्यबन्धु ने बताया कि शिविर के समापन पर सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक कुलदीप विद्यार्थी ने यज्ञ के ब्रह्मा की भूमिका निभाई और स्वामी जी ने पूर्णाहुति कराई। समिति के बिजेंद्र आर्य ने कहा कि इस बार का आयोजन सफल और भव्य रहा। समापन यज्ञ पर प्रसाद की व्यवस्था जूनपत निवासी सरपंच परिवार ने कराई।

समिति के प्रधान मांगेराम आर्य ने बताया कि शहर के कई गणमान्य लोग समापन यज्ञ में पहुंचे और अगले वर्ष भी इसी उत्साह के साथ शामिल होने की इच्छा जताई। इस अवसर पर हरिश्चंद्र भाटी, वीरेंद्र डाढा, ओमवीर भाटी, डॉ महकार खारी, अजीत दौला, सरदार मनजीत सिंह, आलोक नागर, विकास जतन भाटी, धर्मवीर प्रधान, चमन शास्त्री, कमल आर्य और अन्य क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

उद्योग विहार आवासीय सोसायटी की टीम का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। उद्योग विहार सेक्टर-82 आवासीय सोसाइटी में अध्यक्ष बने मयंक चौहान एवं उनकी टीम का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के अध्यक्ष महेश चौहान थे। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष गौतम शर्मा, पॉकेट 7 के अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे, महासचिव व पूर्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रमोद त्यागी, योगेश शर्मा और सेक्टर-34 के अध्यक्ष ओपी यादव मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि महेश चौहान ने मयंक चौहान एवं उनकी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए वरिष्ठजनों का आशीर्वाद अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि उनके अनुभवों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने सोसाइटी में उपस्थित भारी संख्या में निवासियों को देखकर प्रसन्नता जताई और सभी को मिलजुलकर रहने की प्रेरणा दी।

राजस्थान कल्याण परिषद की 34वीं वार्षिक सभा सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। राजस्थान कल्याण परिषद की 34 वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक शॉप्रिक्स मॉल के अल्फा पार्टी लांज में सुबह 10 बजे आयोजित की गई।

इस दौरान निवर्तमान कार्यकारणी के महासचिव निशु गुप्ता ने वर्ष 2024-25 के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी बैठक में प्रस्तुत की गई। निवर्तमान कोषाध्यक्ष निर्मल भूतोडिया द्वारा वार्षिक खातों का लेखा प्रस्तुत किया तथा सभा ने उसका अनुमोदन किया। निवर्तमान अध्यक्ष जुगल किशोर भारती द्वारा वर्षभर में जितने भी कार्यक्रम किए गए उनको सफल बनाने वाले कर्मठ सदस्यों का स्वागत मोमेंटो देकर किया गया। अध्यक्ष द्वारा सभी नए सदस्यों का परिचय कराया गया तथा उनको दुपट्टा पहना कर संस्था में स्वागत किया गया। उसके बाद वर्ष 2025- 26 की नई कार्यकारिणी के लिए निर्वाचित अध्यक्ष दिनेश महेश्वरी, महासचिव रंजू माथुर, उपाध्यक्ष प्रकाश ईनाणी एवं कोषाध्यक्ष अनिल जैन द्वारा कार्यभार संभाला गया। अध्यक्ष दिनेश महेश्वरी ने निवर्तमान कार्यकारणी का धन्यवाद किया तथा वर्ष भर उनके द्वारा क्या क्या कार्य किए जाएंगे उसकी एक रूपरेखा बैठक में रखी गई।

इस मौके पर वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित सदस्यों में संस्था के पूर्व अध्यक्षों में जीपी केडिया, महेंद्र शाह, ओपी बंसल, जी सी महेश्वरी, अंजनी सर्राफ, पवन शर्मा, अरविंद बैद, एन के मालपानी, अरविंद सोनी, जीवन जैन, जीसी पारीक, विष्णु पारीक, संस्था के ऑडिटर पुखराज वैष्णव, एम रामावत, महावीर पुरोहित, राजीव गुप्ता, एन के सोडाणी, एस एन पारीक, रामरतन शर्मा, प्रदीप बजाज, विक्रम अग्रवाल, प्रदीप गर्ग, कैलाश किला, देवकरण सिंह, राजेन्द्र गोयल, पवन जिंदल, महिला सदस्यों में सरिता गुप्ता, अनुराधा बैंद, रंजना सोनी, निशि अग्रवाल, पायल गुप्ता, पारुल महेश्वरी, डॉ लीना चौहान, अनिता शर्मा, बरखा भारती, प्रतिभा सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

...ताकि खिलजी के कारण किसी पद्मावती को जौहर न करना पड़े!

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व हिन्दू परिषद द्वारा आयोजित दुर्गा वाहिनी वर्ग का समापन समारोह का भव्य कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर, सेक्टर-12, नोएडा महानगर में संपन्न हुआ। जिसमें दुर्गा वाहिनी की बहनों ने शौर्य प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन मंत्री सोहन सोलंकी ने कहा कि अब भारत में किसी खिलजी के कारण पद्मावती को जौहर न करना पड़े, ऐसे भारत का निर्माण हमको करना है। समारोह में फेलिक्स हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डी.के. गुप्ता कार्यक्रम अध्यक्ष रहे। दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका काजल, मेरठ क्षेत्रीय संयोजिका विमला शुक्ला, प्रांत संयोजिका मातृशक्ति अल्का तेवतिया, महानगर अध्यक्षा छाया सिंह, प्रांत शक्ति साधना प्रमुख एकता गुप्ता, जिला छात्रा प्रमुख प्रियांशी तिवारी, मानसी सक्सेना की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विभाग मंत्री ललित भारद्वाज, महानगर सह मंत्री राजीव शर्मा, प्रवेश द्विवेदी, मंदिर अर्चक पुरोहित संपर्क प्रमुख घनश्याम, उपाध्यक्ष सत्यवीर सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, बजरंग दल संयोजक सुमित यादव, समरसता प्रमुख श्यामवीर, एम.के. श्रीवास्तव, धर्म प्रसार प्रमुख जितेन्द्र कुमार, बलोपासना प्रमुख रवि, प्रचार प्रमुख राहुल, सतीश, सत्या, प्रकाश, श्याम सुंदर, मनीष, दिलीप, जग्गी, विपुल जौहरी, अमित तुलसन सहित अन्य विभाग और महानगर के अधिकारियों के साथ अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रबंधन में सहयोग किया।

विहिप की दुर्गावाहिनी के शौर्य प्रदर्शन का हुआ समापन